CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-323
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 25 फरवरी 2024

आज का विचार

अगर मेहनत आदत बन जाए, तो कामयाबी मुकद्दर बन जाती है।- अज्ञात

पेज-04

पीएम मोदी ने लॉन्च की दुनिया की सबसे बड़ी अनाज स्टोरेज स्कीम, देशभर में हजारों वेयरहाउस और गोदाम बनाए जाएंगे

देश में अब खराब नहीं होगा अनाज

नई दिल्ली। *प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को किसानों के लिए सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना की शुरुआत की। पीएम मोदी ने 11 राज्यों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) में अनाज भंडारण के लिए 11 गोदामों का उद्घाटन किया। इस योजना के तहत 1.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश से अगले 5 साल में 700 लाख टन भंडारण क्षमता तैयार की जाएगी। योजना के तहत देशभर में हजारों वेयरहाउस और गोदाम बनाए जाएंगे।*

प्रधानमंत्री मोदी ने गोदामों और अन्य कृषि बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए देशभर में अतिरिक्त 500 पैक्स की आधारशिला भी रखी। इन पहलों का मकसद नाबार्ड और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) की मदद से पैक्स गोदामों को खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला के साथ निर्बाध रूप से जोड़ना है। प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सहकारी क्षेत्र एक लचीली अर्थव्यवस्था को आकार देने और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को गति देने में सहायक है।

किसान उठाते रहे हैं भारी नुकसान

इस अवसर पर पीएम मोदी ने सहकारी क्षेत्र से आग्रह किया कि वे खाद्य तेलों और उर्वरकों सहित कृषि उत्पादों के लिए आयात निर्भरता कम करने में मदद करें। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि देश में भंडारण बुनियादी ढांचे की कमी के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछली सरकारों ने इस समस्या पर कभी ध्यान नहीं दिया, लेकिन आज पैक्स के जरिये इस समस्या का समाधान किया जा रहा है।

अब किसानों को होगा यह फायदा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विशाल भंडारण सुविधाओं के निर्माण से किसान अपनी उपज को गोदामों में रखने, इसके बदले संस्थागत ऋण लेने और अच्छी कीमत हासिल करने में सक्षम होंगे। उन्होंने सहकारी समितियों की चुनाव प्रणाली में पारदर्शिता लाने के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि इससे सहकारी आंदोलन में लोगों की अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि एक अलग मंत्रालय के माध्यम से देश में सहकारी समितियों को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

छोटे किसान बन रहे उद्यमी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा कि बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम में संशोधन किया गया है और पैक्स का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है। किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि छोटे किसान उद्यमी बन रहे हैं और यहां तक कि अपनी उपज का निर्यात भी कर रहे हैं। हमने 10,000 एफपीओ स्थापित करने का लक्ष्य रखा था। हम पहले ही 8,000 एफपीओ स्थापित कर चुके हैं। उनकी सफलता की चर्चा अब वैश्विक स्तर पर हो रही है। मत्स्य पालन और पशुपालन क्षेत्र भी सहकारी समितियों से लाभान्वित हो रहे हैं।

स्थानीय स्तर पर तैयार हों आयात की जाने वाली वस्तुएं

प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहकारी समितियों को उन वस्तुओं की एक सूची बनानी चाहिए, जिनका भारत आयात करता है और उन्हें स्थानीय स्तर पर उत्पादित या निर्मित करने की योजना बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सहकारी संगठन खाद्य तेल, उर्वरक और कच्चे तेल के आयात को कम करने में मदद कर सकते हैं ईधन आयात को कम करना होगा। एथनॉल में हम बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं। एथनॉल का उत्पादन काफी बढ़ गया है।

गायत्री परिवार के अश्वमेघ यज्ञ में वर्युअली शामिल हुए मोदी कहा- यह सामाजिक संकल्प का एक महाअभियान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित अश्वमेघ यज्ञ में शामिल हुए। उन्होंने गायत्री परिवार का अश्वमेध यज्ञ को सामाजिक संकल्प का एक बहुत बड़ा अभियान बताया है। पीएम मोदी ने कहा कि यह अभियान लाखों युवाओं को नशे के जाल से छुटकारा दिलाएगा। वे देश के लिए काम करते हैं। युवा ही हमारे राष्ट्र के भविष्य हैं। इस अमृत काल में 'विकसित भारत' बनाने की जिम्मेदारी युवाओं की है। पीएम मोदी ने बताया कि गायत्री परिवार का कोई भी आयोजन इतनी पवित्रता से जुड़ा होता है कि उसमें शामिल होना अपने आप में सौभाग्य की बात होती है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, मुझे खुशी है कि देव संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अश्वमेध यज्ञ का हिस्सा बन रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, आज गायत्री परिवार का अश्वमेध यज्ञ सामाजिक संकल्प का एक महाअभियान बन चुका है। इस अभियान से लाखों युवा नशे और व्यसन से कैसे बचेंगे, उसकी एक असीम ऊर्जा राष्ट्र के निर्माण में काम आएगी। पीएम मोदी का मानना है कि नशा एक ऐसी लत होती है जिस पर काबू नहीं पाया गया तो वो उस व्यक्ति का पूरा जीवन तबाह कर देती है। इससे समाज का देश का बहुत बड़ा नुकसान होता है। उन्होंने आगे कहा, इसलिए ही हमारी सरकार ने 3-4 साल पहले एक राष्ट्रव्यापी नशा मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की थी। हम अपने देश के युवा को जितना बड़े लक्ष्य से जोड़ेंगे, उतना ही वो छोटी-छोटी गलतियों से बचेंगे। आज देश विकसित भारत के लक्ष्य पर काम कर रहा है। आज देश आत्मनिर्भर होने के लक्ष्य पर काम कर रहा है।

इंदौर रेलवे स्टेशन के नए स्वरूप का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल भूमि-पूजन, 7 मंजिला हाईटेक बिल्डिंग बनेगी

....कल खुलेगा इंदौर रेलवे स्टेशन का भाग्य

इंदौर रेलवे स्टेशन के नए स्वरूप का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल भूमि-पूजन सोमवार को करेंगे। 7 मंजिला हाईटेक बिल्डिंग बनेगी। यह लगभग नौ गुना बड़ी होगी। बिल्ट अप एरिया 4.56 लाख वर्गफीट का रहेगा। अभी 50 हजार वर्गफीट में है। लागत 492 करोड़ रहेगी। भव्य प्रवेश द्वार, रूफ प्लाजा, एग्जी यूटिव लाउंज, अतिरिक्त प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म कवर शेड, वाई-फाई रहेगा। इंदौर स्टेशन के साथ उज्जैन और देश के अन्य 554 स्टेशनों के विस्तार को मूर्तरूप देने के लिए प्रधानमंत्री वर्चुअली इनका भूमि पूजन करेंगे। दावा किया जा रहा है कि इस कार्यक्रम में करीब 30 लाख लोग वर्चुअली जुड़ेंगे जो खुद में एक विश्व रिकॉर्ड होगा।

इंदौर। इंदौरवासियों को पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को एक बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। इंदौर में तकरीबन पांच सौ करोड़ की लागत से नया रेलवे स्टेशन बनने जा रहा है, जो मौजूदा रेलवे स्टेशन को बदलकर बनाया जाएगा। इस मौके पर रेलवे स्टेशन पर एक समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इंदौर के नए रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं की बात करें तो एक्सलेटर से लेकर एयरपोर्ट पर दी जाने वाली सभी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इस स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए कई इंतजाम किए जा रहे हैं। एक तरह से इसे स्टेट आफ आर्ट के तर्ज पर बनाया जाएगा। इसके निर्माण में इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि यहां इंदौर का पुराना गौरव भी बरकरार रहे। इंदौर शहर के नए रेलवे स्टेशन भवन की झलक भी सामने आ गई है। रेलवे की भव्य नई इमारत सात मंजिला होगी और वर्तमान स्टेशन भवन से 10 गुना बड़ी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 फरवरी को वर्चुअल तरीके से नए रेलवे स्टेशन भवन का शिलान्यास करेंगे. इस मौके पर रेलवे स्टेशन पर एक समारोह का आयोजन किया जाएगा।

फैक्ट फाइल

- 500 करोड़ रुपये से किया जा रहा है रेलवे स्टेशन का विस्तार
- -6 प्लेटफार्म हैं स्टेशन पर
- -68 ट्रेनों का होता है रोज आना-जाना।
- -30 से 35 हजार यात्री प्रतिदिन करते हैं सफर
- यात्री सुविधाओं के लिहाज से लिफ्ट से लेकर एस्केलेटर की सुविधा मौजूद
- रेल यातायात दबाव कम करने के लिए महू और लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से कुछ ट्रेनों का हो रहा संचालन

50 साल की जरूरतों को करेगा पूरा

सांसद शंकर लालवानी का कहना है कि नए सिटी रेलवे स्टेशन की इमारत बहुत ही भव्य होगी। यह भवन हर दृष्टि से अत्याधुनिक और भव्य होगा। नए रेलवे स्टेशन का निर्मित क्षेत्र 4.56 लाख वर्ग फुट होगा। वर्तमान स्टेशन भवन का निर्मित क्षेत्र केवल 50,000 वर्ग फुट है। नया स्टेशन भवन अगले 50 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है।

नए स्टेश में होंगी ये सुविधाएं

बताया जा रहा कि नई बिल्डिंग सात मंजिला होगी। इसमें यात्रियों की हर जरूरत के लिए दुकानों के साथ सभी चार प्लेटफार्मों के पास एक कॉनकोर्स होगा। 495 करोड़ रुपए पहले चरण में खर्च किए जाएंगे। नया स्टेशन भवन 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। नए स्टेशन में 26 लिफ्ट और 17 एस्केलेटर होंगे।

बनाया गया मास्टर प्लान

इंदौर रेलवे स्टेशन को डेवलप करने के लिए मास्टर प्लान बनाया गया है, और इसी के अंतर्गत कार्य होंगे। इन कार्यों में प्रमुख तौर पर अत्याधुनिक स्टेशन पर भव्य प्रवेश द्वार, रुफ प्लाजा, एक्जिरक्यूटिव लाउंज, अतिरिक्त प्रवेश द्वार, प्?लेटफॉर्म कवर शेड, स्टेशन क्षेत्र की जल निकासी की व्यवस्था, वाई-फाई आदि सुविधाएं डेवलप की जाएंगी। रेलवे स्टेशन के कायाकल्प का श्रेय सांसद शंकर लालवानी को जाता है, जहां उन्होंने इसके लिए सतत प्रयास किए जो अब सफल होते नजर आ रहे हैं।

राजवाड़ा का लुक दिया जाएगा

इंदौर के नए रेलवे स्टेशन को राजवाड़ा का लुक दिया जाएगा, जहां जल्द रेलवे स्टेशन का काम शुरू होने की संभावना है। रेलवे स्टेशन में वाईफाई समेत तमाम तरह की सुविधाएं रहेंगी, तो वहीं हर घंटे लगभग 12 हजार लोग एक साथ सफर कर सकेंगे। 26 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय रेलवे में 41000 करोड़ की रेल परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकर्पण करेंगे। जिसमें अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना के अंतर्गत 554 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास एवं 1500 रोड़ ओवर ब्रिजों, अंडरपास का लोकार्पण, शिलान्यास करेंगे।

इसलिए जरूरी है रेलवे स्टेशन का विस्तार

रेल यातायात और यात्री संख्या लिहाज से आने वाले समय में रेलवे स्टेशन का विस्तार करना जरूरी हो गया है। स्टेशन से प्रतिदिन 68 ट्रेनों का आना-जाना होता है और 30 से 35 हजार यात्री सफर करते हैं। रेल यातायात दबाव बढ़ने के चलते आधा दर्जन से अधिक लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन महू स्टेशन से किया जा रहा है। कई ट्रेनों का विस्तार और फेरे बढ़ाने की मांग इंदौर से उठती रही है, लेकिन यातायात दबाव के चलते नई ट्रेन नहीं मिल पा रही है, इसीलिए अब इंदौर रेलवे स्टेशन का 500 करोड़ रुपये से विस्तार किया जा रहा है।

देश का रक्षा उत्पादन 3 लाख करोड़ और निर्यात होगा 50 हजार करोड़ के पार : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जल्द ही देश का रक्षा उत्पादन तीन लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लेगा। इसके साथ ही सैन्य उपकरणों का निर्यात भी 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का हो जाएगा। एक रक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पहले तीनों सेनाएं अपने-अपने खोल में रहती थीं, लेकिन अब किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय बना है। राजनाथ ने कहा कि पहले भारत को दुनिया में हथियारों के सबसे बड़े आयातक के रूप में जाना जाता था, लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह छवि बदल गई है। अब भारत दुनिया के शीर्ष 25 हथियार निर्यातक देशों की सूची में शामिल हो गया है। सात-आठ साल पहले भारत का रक्षा निर्यात एक करोड़ से भी कम था। आज यह 16,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि 2028-29 तक देश का वार्षिक रक्षा उत्पादन 3 लाख करोड़ रुपये होगा और निर्यात 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। देश में रक्षा उद्योग के विस्तार को लेकर राजनाथ कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में 4,35,000 करोड़ रुपये से अधिक की पूंजीगत अधिग्रहण परियोजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही सरकार ने अगले पांच साल भारत में हवाई जहाज के इंजन और गैस टर्बाइन जैसी उच्चस्तरीय प्रणालियों के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने तीनों सेनाओं के बीच संयुक्त परिचालन को सुगम बनाने पर खासा ध्यान दिया है, ताकि किसी भी संकट की स्थिति में बेहतर प्रतिक्रिया दी जा सके।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

इंदौर के मेघदूत गार्डन पर विशाल भंडारा, प्रसाद के लिए लगी लंबी कतारें,

इंदौर। विजयनगर के मेघदूत गार्डन चौपाटी पर मौजूद साईं मंदिर में साईं सेवा समित परिवार द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में करीब 20 हजार लोगों के लिए खाना बनाया गया था। 25 कुंटल आटे की पूड़ी और करीब 25-30 कुंटल सब्जी बनाई गई। आयोजक एवं साईं परिवार के कार्यकर्ता राजेश गौर ने बताया 13 सालों से लगातार भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हर साल हजारों लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं खाने के लिए करीब 1400 लीटर तेल का इस्तेमाल हुआ। आनंद शुक्ला ने बताया कि भंडारे के लिए खाना एक दिन पहले से बनना शुरू हो गया था। जिसमेंकरीब 100 से अधिक हलवाई समेत करीब 200 कार्यकर्ताओं लगातार लगे रहे। मेघदूत चौपाटी पर प्रसाद के लिए भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुईं थी।शाम से शुरू हुआ प्रसाद वितरण देर रात तक चलता रहा।

इंदौर की स्कीम-74 में जीप से ढाई साल के बच्चे को कुचला, मां को रौंदने की कोशिश

इंदौर। एक चालक ने शुक्रवार दोपहर ढाई साल के बच्चे पर चार पहिया गाड़ी (थार) चढ़ा दी। मां ने रोकने की कोशिश की तो उसे भी रौंदने की कोशिश की। विजय नगर पुलिस ने केस दर्ज किया।घटना स्कीम 74 (सीएच) की है। दोपहर करीब 3.15 बजे कन्फेक्शनरी कारोबारी राजेश परमार का ढाई वर्षीय बेटा जेत्विक घर के बाहर खड़ा था। पत्नी कलका थोड़ी दूरी पर थी। सभी शादी में जा रहे थे। अचानक पावर हाउस की ओर से तेज रफ्तार में गाड़ी आई और राजेश की आंखों के सामने जेत्विक पर पहिया चढ़ा दिया।

कई लोगों को कुचलने की कोशिश

बच्चे की मां कलका ने गाड़ी रोकने की कोशिश की तो चालक ने उन्हें भी रौंदना चाहा। अन्य लोगों को भी टक्कर मारने की कोशिश की। राजेश के मुताबिक गाड़ी में एक महिला भी थी। दोनों बातों में व्यस्त थे। रहवासियों ने वृंदावन होटल तक पीछा भी किया, मगर वह गाड़ी लेकर गलियों में चला गया।

बच्चे की हालत गंभीर

देर रात पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज किया। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि गाड़ी का नंबर एमपी 09 जेडवाय 2277 था। बच्चे को स्कीम 54 स्थित निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उसकी हालत गंभीर है। डाक्टर ने बताया कि आंत को नुकसान पहुंचा है। इस कारण छाती में बबल बन गया। दिल में भी सूजन आ गई है। हालांकि शनिवार को बच्चे की हालत में सुधार नजर आया है।

नौकरी के नाम पर इंदौर में 200 से ज्यादा युवाओं से वसूले लाखों रुपये, कंपनी पर छिंदवाड़ा में दर्ज है केस

डायरेक्टर सेलिंग की आड़ में मल्टीलेवल मार्केटिंग का जाल बुनने वाली इंटरनेशिया कंपनी इंदौर में अब तक 200 से ज्यादा युवाओं से लाखों रुपये वसूल चुकी है। खास बात है कि मुख्य कर्ताधर्ता बाहर रहकर नेटवर्क संचालित करता है। एजेंट युवाओं को लाते हैं फिर वे ही रुपया जमा करवाते हैं।इसी कंपनी के खिलाफ बीते महीनों में छिंदवाड़ा में एफआइआर दर्ज हो चुकी है। छिंदवाड़ा में पीड़ितों ने पुलिस को शिकायत की थी कि नौकरी देने के नाम पर उनसे रुपये वसूले गए। उसी अंदाज में कंपनी इंदौर में भी काम कर रही है। इंदौर में भी चार लिखित शिकायतें पुलिस तक पहुंची हैं। सभी ने नौकरी देने के नाम पर रुपया वसूलने की बात कही है। आदिवासी अंचल की हैं ठगाई युवतियां

इंटरनेशिया इंडिया मार्केटिंग के खिलाफ शिकायत करने वाली सभी युवतियां आदिवासी अंचल की हैं। सभी ने पुलिस को की गई शिकायत में एक ही बात लिखी है कि उन्हें टूर-ट्रैवल की आनलाइन टिकट बुकिंग की नौकरी दी जाएगी। इसी की ट्रेनिंग लेने उन्हें दत्त नगर दफ्तर पर आने को कहा गया। नौकरी का लालच देने वाले ज्यादातर ऐसे लोग हैं जो उनके क्षेत्र में रहते थे। वे ही रुपया कंपनी में ट्रांसफर करवाते। बाहर के युवा न शिकायत कर पाते हैं न आवाज उठा पाते हैं ट्रेनिंग के बहाने इंदौर बुलाया जाता है। बाद में वेतन मांगने पर कंपनी के उत्पाद देकर अन्य लोगों को जोड़ने की बात कह दी जाती है। ठगाए गए युवा ज्यादातर बाहर के होते हैं, इसलिए ना तो वे शिकायत कर पाते हैं ना ही ठगी के खिलाफ आवाज उठा पाते हैं। कंपनी के कर्ताधर्ता इन युवाओं के सामने भी नहीं आते, ऐसे में पुलिस के पास पहुंचने वाली शिकायतों में भी उनका नाम नहीं आ पाता। नीमच से चल रहा दफ्तर जो व्यक्ति तैयार कर इन्हें इंदौर लाता है वही ट्रेनिंग देता है। कंपनी का इंदौर में संचालन करने वाला व्यक्ति असल में इंदौर में नहीं रहता। दफ्तर संभालने वाले लोगों से जब नईदुनिया ने बात की तो पता चला कि आरडी गुज्जर नामक शख्स ये दफ्तर संचालित करता है जो नीमच का निवासी है। दफ्तर के बाहर नहीं लगा बोर्ड कंपनी के दफ्तर के बाहर किसी तरह का साइन बोर्ड नहीं लगाया गया। अंदर ट्रेनिंग हाल में फ्लैक्स के पोस्टर लगा दिए गए हैं जिन पर लिख दिया गया है कि यह जाब नहीं व्यापार का अवसर है। अंग्रेजी में लगे इन पोस्टर का अर्थ ठगाए व्यक्ति को तब समझ में आता है जब वह वेतन की उम्मीद करता है और उसे कह दिया जाता है कि अन्य लोगों को जोड़ने पर उसे कमीशन मिलेगा।

काम की खबर: इंदौर के 2000 से अधिक क्षेत्रों में महंगी होगी संपत्ति

100 प्रतिशत से अधिक बढ़ेगी गाइडलाइन

सिटी चीफ इंदौर।

जिले में एक अप्रैल से लागू होने वाली अचल संपत्ति की शासकीय गाइडलाइन दरें तय करने की प्रक्रिया जारी है। शनिवार को जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में जिले के 2062 क्षेत्रों में मूल्य वृद्धि के प्रस्ताव पारित हुए। इसमें 84 क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पर 25 प्रतिशत से अधिक मूल्य वृद्धि प्रस्तावित की गई है। सुपर कारिडोर और निपानिया क्षेत्र की सर्वाधिक कालोनियों में गाइडलाइन बढ़ाने का प्रस्ताव बनाया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में लागू होने वाली अचल संपत्ति की खरीदी-बिक्री की शासकीय गाइडलाइन दरों में वृद्धि के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में प्रशासनिक संकुल में आयोजित बैठक में मूल्य वृद्धि के प्रस्ताव पर मोहर लग चुकी है।जिले के 4995 क्षेत्रों में से 41 प्रतिशत क्षेत्रों में 17.39 प्रतिशत औसत वृद्धि प्रस्तावित की गई है। बाईपास, सुपर कॉरिडोर और निपानिया क्षेत्र में सर्वाधिक मूल्य वृद्धि प्रस्तावित की गई है। वरिष्ठ जिला पंजीयक डा. अमरेश नायडू ने बताया कि जिला मूल्यांकन समिति की बैठक हो चुकी है। जिले में 2062 क्षेत्रों में वृद्धि प्रस्तावित की गई है। आमजन 29 फरवरी शाम चार बजे तक किसी भी पंजीयन कार्यालय में मूल्य वृद्धि को लेकर सुझाव दे सकते हैं। 100 प्रतिशत वृद्धि के प्रस्ताव जिले में कई क्षेत्रों में 250 प्रतिशत की वृद्धि से दस्तावेज

पंजीकृत हुए हैं। ऐसे क्षेत्रों में 100 प्रतिशत से अधिक वृद्धि का प्रस्ताव तैयार किया है। गौरीनगर क्षेत्र में आने वाले मोतीनगर में 118 प्रतिशत की मूल्य वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है। मालवीय नगर, सोलंकी नगर एवं कृष्ण बाग में भी 91 प्रतिशत का प्रस्ताव बनाया गया है। 154 नई कालोनियां भी शामिल इंदौर जिले के बाहरी क्षेत्र में विकसित की जा रही 154 कालोनियों को गाइडलाइन में शामिल किया गया है। आसपास की कालोनियों की दरें इनमें लागू की गई है। इसमें सर्वाधिक क्षेत्र सांवेर तहसील के 41 है। इसके अलावा, महू के 16 कालोनियां शामिल हैं। इस वर्ष 779 क्षेत्रों में हुई थी वृद्धि वित्तीय वर्ष 2023-24 में जिले के 4 हजार 988 क्षेत्रो में से सिर्फ 779 क्षेत्रों में ही गाइडलाइन में पांच से 60 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई थी। 4 हजार 212 क्षेत्रों में दर नहीं बढ़ाई गई थी। जिले में 4.42 प्रतिशत की औसत वृद्धि गाइडलाइन में की गई थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में औसत वृद्धि 5.67 प्रतिशत प्रस्तावित की गई है। यह इस वित्तीय वर्ष से 1.25 प्रतिशत अधिक है, वहीं आगामी गाइडलाइन में 2933 क्षेत्रों में कोई बढ़ोतरी का प्रस्ताव नहीं है। वर्ष 2023-24 में गाइडलाइन कि बढ़ोतरी शहर के बाहरी क्षेत्रों में बढ़ाई गई थी। शहर के पुराने इलाके, अवैध कालोनियों और बस्तियों की गाइडलाइन में कोई बदलाव नहीं किया गया था। इस बार भी पुराने क्षेत्रों में ज्यादा बदलाव नहीं हुए हैं, जहां पर अधिक डर में दस्तावेज पंजीकृत हुए हैं, वहीं वृद्धि का प्रस्ताव है।

नगर निगम के जोनल अधिकारी ने विधायक से की अभद्रता, कैबिनेट मंत्री तक पहुंची बात

सिटी चीफ इंदौर।

नगर निगम के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच कहासुनी का एक नया मामला सामने आया है। आरोप है कि जोन अधिकारी नदीम खान ने विधायक गोलू शुक्ला से अभद्रता की है। पहले तो उन्होंने जोन में आयोजित निगम के एक कार्यक्रम की जानकारी विधायक को नहीं दी। विधायक ने इस बारे में उन्हें फोन किया तो उन्होंने कह दिया कि मैं आपको सूचना देने के लिए बाध्य नहीं हूं। बाद में विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के 10 पार्षदों के साथ महापौर से मिलने भी पहुंचे। मामला नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय तक भी पहुंच गया है। इधर महापौर का कहना है कि शिकायत की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।कार्यक्रम को लेकर हुई कहासुनी मामले की शुरुआत वार्ड 64 में आयोजित एक कार्यक्रम से हुई। नगर निगम ने इसकी जानकारी विधायक शुक्ला को नहीं दी थी। नाराजगी जताते हुए विधायक ने जोनल अधिकारी नदीम खान को फोन लगा दिया। बताया जा रहा है कि जोन अधिकारी ने विधायक से कह दिया कि वे जानकारी देने के लिए बाध्य नहीं हैं। इससे नाराज विधायक विधानसभा क्षेत्र के पार्षदों के साथ महापौर से मिलने पहुंचे और जोनल अधिकारी की शिकायत कर दी। विधायक ने इस संबंध में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को एक पत्र भी लिखा है। विधायक बोले- हम खुद सबको ठीक करने में सक्षम मीडिया ने जब विधायक से महापौर से मिलने की वजह पूछी तो उन्होंने कहा कि हम क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर चर्चा करने गए थे। जोन अधिकारी की शिकायत को लेकर उन्होंने कहा कि शिकायत नहीं की है। हम खुद ही सक्षम हैं सबको ठीक करने के लिए। महापौर ने कहा- कार्रवाई करेंगे इस मामले में महापौर पुष्यमित्र भार्गव का कहना है कि जोनल अधिकारी द्वारा विधायक से अभद्रता का मामला सामने आया है। हमने जांच के आदेश दिए हैं।

हत्या और लूट का अड्डा बना पूरा क्षेत्र, मंत्री- बोले आज ही पुलिस चौकी खोलो

सिटी चीफ इंदौर।

लंदन विलाज में डकैती की वारदात से रहवासी सकते में हैं। जनप्रतिनिधि भी चेते हैं। शनिवार को मंत्री तुलसीराम सिलावट पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। मौके पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, डीसीपी पंकज पांडे को बुलाया। रहवासियों के सामने ही पूछा कि जांच कहां तक पहुंची। श्रीवास्तव ने कहा पुलिस जुटी हुई है। तीन दिन का समय चाहिए।जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट को रहवासियों ने घेरा और बिल्डर निकेत मंगल की शिकायत की। कहा कि सालों बाद भी टाउनशिप रहवासियों के सुपुर्द नहीं की है। काम अधूरे हैं, जो वादे किए वो पूरे नहीं हुए हैं। अपनी सुरक्षा खुद करना पड़ रही है। रहवासी रुपये एकत्र कर गार्ड-कैमरे लगवा रहे हैं। टाउनशिप का कार्य भी कमजोर है। दीवार धंसने लगी है। मंत्री ने तत्काल निकेत मंगल (एनएम ग्रुप) को कॉल लगाया और कहा कि रहवासियों के साथ बैठक करो। मैं भी बैठूंगा और डीएम (कलेक्टर) को बैठाएंगे। समस्या का समाधान होना चाहिए। रहवासी महेश व्यास, सौरभ शर्मा, नेहा शर्मा, अखिलेश जैन, समीर दीक्षित, राकेश बघेल, विपुल सिंह ने कहा कि इलाका चारों तरफ से खुला है। 100 से ज्यादा कालोनियां, इमारतें बन चुकी हैं। इलाका न्यू विजय नगर के नाम से जाना जाता है। चारों तरफ अंधेरा रहता है। क्षेत्र में एक भी पुलिस चौकी नहीं है। मंत्री ने एडीसीपी से कहा कि आज ही पुलिस चौकी बन जाना चाहिए। एडीसीपी के मुताबिक एक चौकी पहले से बनी हुई है। बल की कमी के कारण पुलिसकर्मी हटा दिए। आज से पुन: पुलिस तैनात कर दी जाएगी। पहले भी हुई हैं गंभीर वारदातें रहवासियों ने बताया कि चारों तरफ बाउंड्रीवाल होने के बाद भी वारदात होती हैं। टाउनशिप में रहने वाले शिरीष टिल्लू के घर में चोरी हुई है। कई बार बच्चों की साइकिलें भी चोरी हो जाती हैं। 25 मार्च 2021 को गैंगवार के चलते अर्पित खटे और गौरव जोशी की हत्या हुई। 10 जुलाई 2023 को तीन सूने मकानों को निशाना बनाकर लाखों की चोरी की। पिछले साल अगस्त में डिलीवरी ब्वाय सुनील वर्मा की लूट के लिए हत्या कर दी। पिछले साल सचिन व विशाल को बंधक बनाकर लूटा। पिछले साल कालिंदी गोल्ड सिटी रोड पर विकास चौकसे को गोली मारी। एक किमी तक सुनसान इलाका रहवासियों के मुताबिक न्यू विजय नगर में ज्यादातर नौकरीपेशा रहते हैं। उन्हें रात्रि ड्यूटी पर जाना और रात्रि ड्यूटी कर आना पड़ता है। रात में चारों तरफ अंधेरा पसरा रहता है। वर्षा के वक्त हादसे हो जाते हैं। फूड कंपनी के डिलीवरी ब्वाय को तो बदमाश लूटकर भगा देते हैं।

बादल और हवा के कारण हल्की ठंड का असर बरकरार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर में अभी बादल व हवाओं के असर से हल्की ठंडक का असर बरकरार है। अगले सप्ताह के शुरुआत में शहर में हल्की बूंदाबांदी का असर दिखाई देगा। इसके असर से शहर में मौसम खुशनुमा बना रहेगा। अगले सप्ताह में 28 फरवरी को शहर में हल्की धुंध का असर भी रहेगा। आगामी दिनों में इंदौर में हवाओं का रुख पूर्वी व दक्षिण पूर्वी रहेगी और हवाएं 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी। ऐस में सप्ताह में न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी। इंदौर में जहां हल्की बूंदाबांदी होगी वहीं पूर्वी व दक्षिणी पूर्वी मप्र में गरज-चमक के साथ बादल छाने के साथ ओलावृष्टि होने की संभावना है। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के मौसम विज्ञानियों के मुताबिक वर्तमान में उड़ीसा व बंगाल की खाड़ी में बने प्रति चक्रवात के असर से बंगाल की खाड़ी से इंदौर की ओर नमी आ रही है। इसके अलावा मराठावाड़ा के ऊपर चक्रवाती का घेरा बना हुआ है।

हवाएं आपस में टकरा रही

इसके अलावा मराठवाड़ा से दक्षिणी उप्र तक दो अलग-अलग दिशाओं से आ रही हवाएं आपस में टकरा रही हैं। इसके असर अगले सप्ताह में बंगाल की खाड़ी पर बना प्रतिचक्रवात उड़ीसा तट के करीब आएगा। इसके असर से इंदौर सहित प्रदेश के अधिकांश इलाकों में ज्यादा नमी आएगी। इंदौर सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्से में वर्षा की गतिविधियां दिखाई देंगी। सप्ताह में दो दिन तक इंदौर में हल्की बूंदाबांदी के असर के बाद बादल छंटेंगे और धूप निकलेगी। हालांकि वातावरण में नमी रहने के कारण रात के तापमान में कमी दिखाई देगी। दिन में बादल छंटने पर धूप भी निकलेगी। ऐसे में सप्ताह के अंत तक रात में हल्की गुलाबी ठंडक का असर दिखाई देगा। इस तरह आगामी सप्ताह में ठंड का अंतिम दौर दिखाई देगा।

फसलों को सुरक्षित रखें

भोपाल मौसम केंद्र के मौसम विज्ञानियों के मुताबिक इंदौर में वर्षा का ज्यादा असर नहीं है, लेकिन प्रदेश के कई हिस्सों में वर्षा के ओलावृष्टि भी होने की संभावना है। ऐसे में किसानों को सलाह है कि वो खेतों में कटाई के बाद रखी फसल को सुरक्षित स्थान पर रखने का प्रयास करें।

इंदौर में साड़ी वॉकथॉन आयोजित हथकरघा के प्रति किया जागरूक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर में रविवार को उड़ान ग्रामीण और शहरी विकास समिति द्वारा साड़ी वॉकथॉन आयोजित किया गया। गांधी हॉल पर सुबह 8 बजे हुए शिवालिका साड़ी वॉकथॉन इंदौर 01 में लोगों को हथकरघा और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।बता दें इस आयोजन में महिलाएं देश के अलग-अलग प्रांतों में हथकरघा से तैयार होने वाली साड़ी पहनकर पहुंची।

आचार्य विद्यासागर और दौलत सागर सूरीश्वर की विनयांजलि सभा, कीर्तन दीवान भी सजेगा

सिटी चीफ इंदौर।

शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के आयोजन 25 फरवरी को होंगे। इसमें आचार्य विद्यासागर और आचार्य दौलत सागर सूरीश्वर महाराज के समाजजन विनयांजलि देंगे। इसके साथ ही तीन समाजों के परिचय सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे। साथ ही भागवत कथा का आयोजन भी किया जाएगा।- आप अगर आप युगों के चक्र समझना चाहते है तो यह अवसर ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। यहां आर्ट गैलेरी में सुबह 7 से 12 और शाम 4 से रात 9 बजे तक पहुंचकर विस्तार से समझ सकते हैं। - आचार्य दौलत सागर सुरीश्वर महाराज की गुणानुवाद सभा सुबह 8 बजे पीपली बाजार उपाश्रय में आयोजित की जाएगी। सभा शहर में विराजमान 40 साधु भगवतों के सान्निध्य में होगी। इसमें समाजजन 48 मिनट तक साधना और ध्यान कर विनयांजलि देंगे। इस अवसर पर आनंदचंद्र सागर महाराज, ऋषभचंद सागर महाराज उपस्थित रहेंगे। आचार्यश्री दौलत सागर सूरीश्वर महाराज ने 19 फरवरी को अपनी देह का त्याग किया था। - सिख समाज के सातवें गुरु हर राय के प्रकाश पर्व पर कीर्तन दीवान न्यू रानी बाग में सजेगा। इस मौके पर देशभर के कीर्तनकार गुरु महिमा का गुणगान करेंगे। इस अवसर पर पालकी में श्री गुरु ग्रंथ साहिब विराजित किया जा रहा है। 100 से अधिक सेवादार विभिन्न सेवाओं में जुटे हुए हैं। सुबह 10 बजे से दीवान सजेगा। - यदि आज आप एबी रोड से गुजर रहे हैं और थोड़ा वक्त है तो बिजनेस स्काय पार्क चले जाएं। यहां के आर्ट पैसेज में कला प्रदर्शनी लगी है जिसका आनंद आप सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक ले सकते

हैं। - दिगंबर जैन संत आचार्य विद्यासागर महाराज दयोदय चेरिटेबल फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा दोपहर 1 बजे सांवेर रोड़ रेवती रेंज स्थित प्रतिभा स्थली पर विनयांजलि व गुणानुवाद सभा आयोजित की जाएगी। इसमें जनप्रतिनिधि, राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी, पत्रकार संघ के साथ ही समाजों के प्रमुख व वरिष्ठ लोग शामिल होकर आचार्यश्री को विनयांजलि अर्पित करेंगे। सभा इंदौर सहित अन्य शहरों में भी एक साथ-एक समय पर विनयांजलि सभा होगी। - संस्था राधाश्रय फाउंडेशन द्वारा आयोजित नौ दिवसीय राम कथा एयरपोर्ट रोड स्थित श्री विद्याधाम पर होगी। इसमें कथा आचार्य पंडित शैलेंद्र तिवारी के मुखारविंद से 28 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 3 से 6 बजे तक होगी। कथा के साथ-साथ निशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया हैं, जिसमे कथा में आए भक्त स्वास्थ्य परीक्षण एवं नेत्र परीक्षण भी करा सकेंगे। - आर्ट आफ लिविंग का मीडियाकर्मियों के लिए हैप्पीनेस प्रोग्राम गांधी हाल स्थित अभिनव कला समाज हाल में शाम 4 बजे से होगा। इसमें अंतराष्ट्रीय प्रशिक्षक मनोज राव जीवन जीने की कला के साथ श्वास की अद्वत तकनीक के साथ सुदर्शन क्रिया सिखाएंगे।

भदभदा बस्ती जमींदोज... एनजीटी का आदेश, प्रशासन की सख्ती, चार दिन में बेघर हो गए 386 परिवार

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में एनजीटी के आदेश पर निगम प्रशासन ने अब तक की पहली सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम तक पहुंचा दिया है।इस कार्रवाई की वजह से ताज होटल के सामने लगभग 100 वर्ष पुरानी भदभदा बस्ती में रहने वाले 386 परिवार अब बेघर हो गए हैं। इन परिवारों के मन में शासन का डर तब से बैठ गया था जब नगर निगम ने इन्हें नोटिस थमा दिए थे। इसके बाद से पूरी बस्ती में मातम छा गया और रहवासी सोचते रहे कि उन पर शासन नरम रुख अपनाएगा, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। खुद घर खाली करने की सीमा खत्म होते ही निगम प्रशासन पुलिस के साथ बुलडोजर लेकर पहुंच गया। इसी भय से यहां रहने वाले परिवार अपने रोते -बिलखते बच्चों, महिलाओं के साथ घर छोड़कर विस्थापित हो गए हैं। इसके बदले में अब तक प्रशासन ने उनको मदद के नाम पर सिर्फ एक-एक लाख के चेक दिए हैं।भदभदा बस्ती में रहने वाली 86 वर्षीय प्रेम बाई ने नवदुनिया को बताया था कि वह यहां जब 12 वर्ष की थी तब आई थी। उनकी चार

पीढ़ियां यहां रहते हुए गुजर चुकी हैं।निगम -प्रशासन ने ही हमको सभी तरह की सुविधा दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। अब अचानक से हमारा बसा-बसाया घर उजाड़ जा रहा है। यदि मेरा घर तोड़ा तो मैं तालाब में कूदकर जान दे दूंगी। जब शनिवार को आखिरी दिन निगम अमला उनका घर जमींदोज करने पहुंचा तो उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गईं।काफी प्रयास के बाद जब होश नहीं आया तो स्वजन एंबुलेंस से उनको अस्पताल ले गए। इसी दौरान अमले ने प्रेमबाई का घर बुलडोजर चलाकर तोड़ डाला। बच्चों की शादियां यहीं से हुई, नहीं सोचा था घर टूटेगा भदभदा बस्ती के रहवासियों का कार्रवाई के बाद से ही रो-रोकर बुरा हाल है। वह खुले आसमान में दिन गुजार रहे हैं। सड़कों पर बैठकर ही भोजन कर रहे हैं। लोगों का कहना था कि बच्चों की शादियां यहीं से हुई थी, ऐसा नहीं सोचा था कि घर टूट जाएंगे।बड़ी मेहनत और मोटी रकम खर्च कर आशियाने बनाए थे। इसके बदले में प्रशासन ने सिर्फ एक लाख रुपये देकर पल्ला झाड़ लिया है। शनिवार को तोड़े 118 घर एनजीटी के आदेशों का पालन करते हुए निगम अमले ने भदभदा बस्ती में घर तोड़ने की कार्रवाई बुधवार से शुरू की थी जो कि शनिवार को खत्म हो गई है। बुधवार को पहले दिन 30, गुरुवार को 109, शुक्रवार को 129 और शनिवार को 118 घर जमींदोज किए गए हैं।इस तरह निगम अमले ने 386 घरों को तोड़ दिया है। बता दें कि निगम की सूचना पर भी लोगों ने घर खाली नहीं किए थे।बाद में लोगों ने धीरे-धीरे अपने घर स्वयं खाली कर दिए। बेघर परिवारों से मिले कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी शनिवार को भदभदा बस्ती पहुंचे और बेघर हुए परिवारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि यह सरकार उद्योगपति, धन्नासेठों और सूटबूट की है। कम से कम इन गरीबों को एक-एक प्रधानमंत्री आवास तो मिलना ही चाहिए। मैं मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखूंगा। ऐसा हम फिल्मों में देखते थे, कि एक होटल नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के परिधि में आती थी, उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

संत-महात्मा के पास जाने से कोई भी खाली हाथ नहीं लौटता है - बाबा उमाकांत महाराज

सिटी चीफ भोपाल।

भेल के जंबूरी मैदान में चल रहे सत्संग समागम में उज्जैन से आए बाबा उमाकांत महाराज ने श्रद्धालुओं को प्रवचन दिए। उन्होंने संत रविदास जी की जयंती के अवसर पर उनके जीवन वृतांत को बताया। महाराज ने संदेश दिया कि जो जीव आम हो या खास हो, संतों की शरण में आ जाए तो वे उसको तजते नहीं हैं। वे सत्संग जल से उसकी अंतरात्मा को साफ करते हैं। महान संत रविदास जी का जन्म काशी, वाराणसी में हुआ था, उन्होंने जो मानव मात्र के लिए उपदेश दिए हैं, वे सूरज के प्रकाश की तरह देश-विदेश में प्रकाशित हो रहे हैं। संत रविदास जी ने यह सिद्ध कर दिया कि जात-पात पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई। प्रभु किसी जाति विशेष के नहीं होते हैं। यह तो इंसानों ने वर्ण व्यवस्था बनाई। छोटी जाति के होते हुए भी रविदास जी ने ईश्वर को प्राप्त किया और उनके शिष्यों में रानी मीरा और राजा पीपा जैसे राजा-महाराजा हुए।

सद्गुरु मिल जाएं तो जीते-जी हो जाएं प्रभु के दर्शन

बाबा उमाकांत महाराज ने कहा कि पहुंचे हुए संत-महात्माओं के आगे रिद्धि, सिद्धि, कामधेनु कल्प वृक्ष जैसी ताकतें उनके सामने हाथ जोड़कर सेवा में खड़ी रहती हैं। इसी मनुष्य शरीर में जब भेदी मिल जाता है, जानकार मिल जाता है, सद्गुरु मिल जाता है तो प्रभु का दर्शन जीते जी हो जाता है। कहा भी गया है कि दुनिया बनाने वाला यदि मिल जाए तो मनुष्य को दुनिया की किसी चीज की कमी नहीं रहती है।

बताया फागुन मास का महत्व

बाबा ने कहा कि मौत, जो सच है उस को सब भूल गए हैं। मालिक को सब भूल गए। जब जानकारी मिल जाती है तो उसे प्राप्त कर लेते हैं। अब सद्गुरु को अपना हाथ पकड़ा दो, क्योंकि माघ माह खत्म हो गया है। फागुन शुरु हुआ है। फागुन का मतलब होता है जो प्रभु के गुण हैं, उनको अपने अंदर उतारो। नहीं तो वैशाख हो जाओगे बिना शाख के हो जाओगे। हमारे गुरुजी महाराज बाबा जयगुरुदेव ने कितने ही लोगों को भवसागर से पार होने का, प्रभु से मिलने का रास्ता बतलाया, उन्हें सही रास्ते पर चलाया और उनको पार भी कर दिया। संत-महात्मा जो जीवों पर परोपकार करते हैं, उसका वर्णन ही नहीं किया जा सकता है। परोपकार तो बहुत होते हैं, लेकिन सबसे बड़ा परोपकार इस आवागमन के बंधन से मुक्त करना होता है। अंतिम दिन सत्संग समागम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

शराब के परिवहन और भंडारण पर नजर रखने के लिए बनेगा आबकारी कंट्रोल कमांड सेंटर

सिटी चीफ भोपाल।

शराब के परिवहन और भंडारण पर अब आनलाइन नजर रखी जा सकेगी। इसके लिए वाणिज्यिक कर विभाग के अंतर्गत भोपाल में आबकारी कंट्रोल कमांड सेंटर बनाया जा रहा है। भोपाल के बिट्टन मार्केट में स्थित आबकारी आयुक्त के कैंप कार्यालय में आबकारी कार्यालय का डेटा एनालिटिक्स एवं कंट्रोल कमांड सेंटर स्थापित किया जाएगा।यह सेंटर ई-आबकारी पोर्टल में हो रही प्रविष्टियों का विश्लेषण करेगा तथा गोदामों एवं फैक्ट्रियों से जा रही शराब पर नियंत्रण भी रखेगा। परिवहन के दौरान ट्रक पर जीपीएस से निगरानी रखी जाएगी। इस सेंटर के तकनीकी सुपरविजन के लिए सिस्टम एनालिस्ट और प्रशासनिक सुपरविजन के लिए सहायक आबकारी आयुक्त को नियुक्त किया गया है। सेंटर की स्थापना का प्रारंभिक कार्य शुरू हो गया है। इसमें कंप्यूटर आपरेटर भी नियुक्त किए जाएंगे। इस सेंटर से शराब

डिस्टलरी से लेकर गोदाम और लाइसेंसी दुकानों तक जाने वाली शराब का डेटा मिलता रहेगा। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शराब की कालाबाजारी को रोकने के लिए वर्ष 2022 में आबकारी कंट्रोल कमांड सेंटर को बनाने के निर्देश दिए थे। दिसंबर 2023 तक इस कार्य को पूरा करना था, लेकिन विधानसभा चुनाव की आचार संहिता सहित विभिन्न कारणों के चलते कंट्रोल कमांड सेंटर नहीं बन सका। अब नवागत आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने एक बार फिर नए सिरे से कंट्रोल कमांड सेंटर बनाए जाने समीक्षा कर दो माह में इस कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए हैं। स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन बना रहा कमांड सेंटर मध्य प्रदेश स्मार्ट सिटी डेवेलपमेंट कार्पोरेशन आबकारी आयुक्त के कैंप कार्यालय में कंट्रोल कमांड सेंटर बना रहा है और इसका संचालन भी वहीं करेगा। इसके लिए स्टाफ भी उपलब्धता भी स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन ही कराएगा। इस कार्य के लिए आबकारी विभाग ने चार करोड़ रुपये का बजट रखा है। स्मार्ट सिटी डेवेलपमेंट कार्पोरेशन तीन साल तक कंट्रोल कमांड सेंटर का संचालन करेगा।

अब अपने शहर की आधारभूत संरचना आनलाइन देख सकेंगे लोग

सिंगल क्लिक पर मिलेगी लोक परिवहन से लेकर पब्लिक टायलेट तक की जानकारी

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश की जनता अब अपने शहर की आधारभूत संरचना भी कंप्यूटर पर आनलाइन देख सकेगी। इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग वन सिटी-वन मैप डिजिटल प्रोग्राम शुरू करने जा रहा है। उक्त जानकारी नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक वीडियो जारी कर दी। विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया के माध्यम से जनता के साथ पारदर्शी सरकार काम कर रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के मार्गदर्शन में %वन सिटी-वन मैप% डिजिटल प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं। अर्बन डाटा एनालिटिक्स के माध्यम से प्रदेश के सारे शहरों में घर की अधोसंरचना कंप्यूटर पर देख सकेंगे। सड़के कैसी , पाइप लाइन कहां डली है, ड्रेनेज सिस्टम कैसा है, उसमें आम जनता सुझाव भी दे पाएगी। जीआइएस आधारित डाटा एनालिटिक सेंटर भोपाल स्थित नगरीय प्रशासन एवं विकास पालिका कार्यालय में स्थापित किया जाएगा।- प्रदेश के सभी नागरिकों को शहरी क्षेत्र से जुड़ी सुविधाएं जैसे सड़कों, शहरी परिवहन व्यवस्था, पानी की पाइप-लाइन, सार्वजनिक शौचालय इत्यादि की जानकारी आसानी से प्राप्त हो सकेगी। - नगरीय क्षेत्र के प्रत्येक निकाय के लिये वन सिटी-वन मैप तैयार किया जाएगा। इसके माध्यम से इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं की जानकारी सिंगल मैप से प्राप्त की जा सकेगी और डाटा विश्लेषण के आधार पर नागरिकों के लिए और बेहतर समन्वय के साथ योजनाएं बनाने, क्रियान्वयन और मानीटरिंग में मदद मिलेगी। - शहरी क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं के जियो टैग डाटा का प्रयोग करते हुए प्रदेश स्तर पर मानीटरिंग के लिये सिंगल डैशबोर्ड बनाया जायेगा। - शहरी नियोजन और शहरी क्षेत्र में होने वाली निर्माण गतिविधियों पर सैटेलाइट और ड्रोन इमेज के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी, जिससे अवैध निर्माण चिन्हित करने में आसानी होगी। - नगरीय क्षेत्र की सभी संपत्तियों की जियो लोकेशन और संपत्ति आइडी के साथ मैप पर चिन्हित करने का कार्य होगा। - वाटर और सीवरेज परियोजनाओं के क्रियान्वयन से पहले साइट की उपयुक्तता और नागरिकों तक पहुंच जैसी सुविधाओं का बेहतर अध्ययन किया जाएगा।

पंजाब के किसान से साइबर ठगी

जालसाज ने भांजा बनकर किया फोन, मांगी मदद, पिपलानी की महिला के खाते में आए साढ़े पांच लाख रुपये

सिटी चीफ भोपाल।

पंजाब के तरनतारन में हुई साइबर ठगी के एक मामले में ठगी के साढ़े पांच लाख रुपये भोपाल के पिपलानी क्षेत्र में रहने वाली महिला के खाते में पहुंचे है। इस आधार पर तरनतारन पुलिस ने महिला के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है। हालांकि घटना की सूचना अभी तक पिपलानी थाना पुलिस को नहीं दी गई है।तरनतारन पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पेशे से किसान दर्शन सिंह ने शिकायत दर्ज कराई है। उसमें बताया कि उसका भान्जा मनप्रीत सिंह तीन माह पहले अमेरिका गया है। दर्शन सिंह के मुताबिक किसी चार जनवरी को किसी ने मनप्रीत बनकर उसे फोन किया और बताया कि मामाजी

अमेरिका में एक झगड़े के मामले में फंस गया हूं। मुझे पांच हजार डालर का जुर्माना भरना पड़ रहा है। कथित मनप्रीत ने एक अन्य व्यक्ति को अपना वकील बताते हुए बात भी कराई। भरोसा करके दर्शन सिंह ने बताए गए खाते में 3, 20,000 रुपये डाल दिए। दूसरी बार भी मांगी रकम कुछ देर बाद फोन आया कि झगड़े में जिसे चोट लगी थी, उसकी मौत हो गई है। मामले को रफा दफा करने के लिए कुछ और रुपये लगेंगे। भान्जे को बचाने के लिए दर्शनसिंह ने उसी खाते में 2, 38,000 रुपये और डाल दिए। इस घटना के अगले दिन उसे पता चला कि उसका भान्जा कुशल मंगल से है, उसका किसी से कोई विवाद ही नहीं हुआ था। दर्शन सिंह की शिकायत की जांच में पाया गया कि ठगी की राशि भोपाल के पिपलानी क्षेत्र में रहने वाले किसी राखी नाम की महिला के खाते में पहुंची है। इस आधार पर तरनतारन पुलिस ने राखी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।

लोक अदालत शिविरों में दो लाख प्रकरणों का हुआ निराकरण, नगर निगम ने वसूला 7.78 करोड़ का राजस्व

जिले में समाधान आपके द्वार योजना के तहत शनिवार को लोक अदालत शिविरों का आयोजन किया गया। इनमें लगभग दो लाख दो हजार 642 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। बता दें कि प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष अमिताभ मिश्रा और सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण एसपीएस बुंदेला के मार्गदर्शन में इन शिविरों को लगाया गया था।जानकारी के अनुसार लोक अदालत शिविर जिला न्यायालय, राजस्व न्यायालयों, नगर निगम, विद्युत विभाग एवं पुलिस थानों में आयोजित हुए। इस दौरान आपसी समझौते के आधार पर दो लाख दो हजार 642 मामलों का निराकरण किया किया गया। जिनमें 13 करोड़ 66 लाख 42 हजार 247 रुपये की वसूली एवं अवार्ड पारित किए गए हैं। न्यायालयों के लंबित एवं प्रीलिटिगेशन 932 प्रकरणों का निराकरण किया गया। राजस्व विभाग के 19 हजार 188, नगर निगम के एक लाख पांच हजार 28 प्रकरण, बिजली के 22 हजार 329, यातायात नियमों के उल्लंघन संबंधी आठ हजार 18 प्रकरण, पुलिस विभाग के 46 हजार 347 प्रकरणों का निराकरण किया गया है।

नगर निगम की भी हुई अच्छी वसूली

नगर निगम द्वारा लोक अदालत के चलते शनिवार को सात करोड़ 78 लाख की वसूली की है। इस दौरान सबसे अधिका वसूली जोन क्रमांक 13 में हुई ।जहां विभिन्न वार्डों में शाम सात बजे तक एक करोड़ 71 लाख से ज्यादा की वसूली हो पाई। इस दौरान जोन में सबसे ज्यादा 391 रसीदें भी काटी गई। दूसरे नंबर पर जोन क्रमांक चार रहा जहां 52 लाख से ज्यादा की वसूली हुई। इसी तरह तीसरे नंबर पर जोन क्रमांक 16 रहा जहां 50 लाख से ज्यादा की वसूली हुई। शनिवार को हुई इस वसूली के हिसाब से निगम ने जो आंकड़े जारी किए है उसके अनुसार सभी 21 जोन में शनिवार को लोक अदालत के दौरान चार हजार 335 रसीदें काटी गई है।

पालिटेक्निक कालेज सभागार में संगीत संध्या, जनजातीय संग्रहालय में अखाड़ा नृत्य व सांगीतिक प्रस्तुति

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। रविवार 25 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।विज्ञान दिवस समारोह - आंचलिक विज्ञान केंद्र में चल रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में साइंस क्विज आयोजित की जाएगी, जिसमें कोई भी भाग ले सकता है। समय सुबह 11 बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे तक है। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में फरवरी माह के प्रादर्श के रूप में भूटिया समुदाय के आध्यात्मिक उपकरण फुरबा को प्रदर्शित किया जा रहा

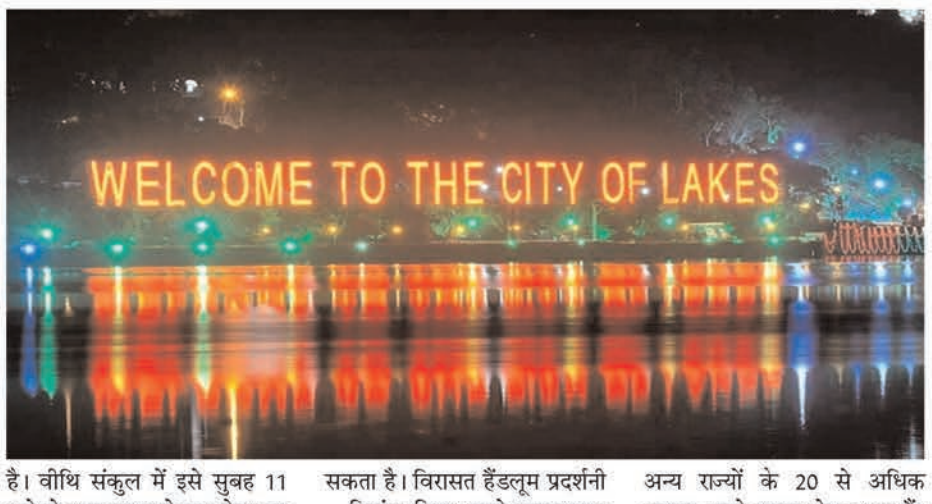

है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है। विरासत हैंडलूम प्रदर्शनी - त्रिलंगा स्थित पुराने माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय परिसर में विरासत हैंडलूम प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।इस प्रदर्शनी में महिलाओं के समूहों द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प एवं हाथकरघा उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। प्रदर्शनी में प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के 20 से अधिक बुनकर अपने उत्पाद लेकर आए हैं। आज इस प्रदर्शनी का अंतिम दिन है। मिलन समारोह - अखिल भारतीय साहित्य परिषद् भोपाल इकाई का जिला साहित्यकार मिलन समारोह विश्व संवाद केंद्र, शिवाजी नगर में आयोजित होगा। समय दोपहर तीन बजे से है। संगीत संध्या - प्रेरणा शाला संस्था की ओर से संगीत संध्या द गेम्स आफ मैस्ट्रोज का आयोजन पालिटेक्निक कालेज के सभागार में शाम छह बजे से किया जा रहा है। कार्यक्रम में शहर के गायक कलाकार सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देंगे। संभावना - जनजातीय संग्रहालय में प्रत्येक रविवार को नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में आज शाम साढ़े छह बजे से सागर के आशीष श्रीवास्तव एवं साथी कलाकार द्वारा अखाड़ा नृत्य और शासकीय संगीत महाविद्यालय मैहर के छात्र-छात्राओं द्वारा सांगीतिक प्रस्तुति दी जाएगी। नाटक मंचन - अभिनय मंच थियेटर, एमपीनगर जोन वन में नाटक फेयरवेल की साड़ी का मंचन शाम सात बजे से किया जाएगा। आरंभ थियेटर की इस प्रस्तुति का निर्देशन अमित जाट ने किया है।

आरटीई के तहत प्रवेश के दायरे से राजधानी के 53 बड़े निजी स्कूल बाहर

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। इस बार अल्पसंख्यक का प्रमाण पत्र जमा कर राजधानी के 53 बड़े स्कूल इसके दायरे से बाहर हो गए हैं। इसको लेकर शहर के अन्य निजी स्कूल संचालकों ने विरोध शुरू कर दिया है। ये स्कूल संचालक आरटीई की अधिकतम 25 फीसदी सीटें पर प्रवेश देने के नियम में संशोधन और इसके दायरे से बाहर हुए स्कूलों को भी दायरे में लाने की मांग कर रहे हैं। अब जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) इन स्कूलों का निरीक्षण कर इनके प्रमाणपत्रों की जांच करेंगे।राजधानी के सेंट जोसेफ कोएड, कार्मल कान्वेंट, सेंट जेवियर्स स्कूल, साधु वासवानी सहित अन्य मिशनरी स्कूलों में इस बार गरीब व वंचित समुदाय के बच्चों को प्रवेश नहीं मिलेगा। दरअसल आरटीई के तहत निजी स्कूलों की पहली या प्रारंभिक कक्षा की 25 प्रतिशत सीटों शासन द्वारा प्रवेश दिया जाता है। इनकी फीस शासन की ओर से जमा की जाती है। बता दें कि प्रदेश के करीब 27 हजार निजी स्कूलों में करीब दो लाख सीटें हैं। जहां पर प्रवेश प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई है। अब निजी स्कूल नहीं कर पाएंगे मनमानी इस योजना का मूल उद्देश्य अधिक से अधिक गरीब व वंचित समुदाय के बच्चों को प्रवेश देना था। कई स्कूलो के इसके दायरे से बाहर हो जाने के कारण निजी स्कूलों में आरटीई की सीटें कम हो गई है। अब निजी स्कूलों मे विद्यार्थियों की वास्तविक संख्या दर्ज होगी और इसके आधार पर 25 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे। इसके लिए स्कूलों द्वारा पोर्टल पर आनलाइन दर्ज विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर सीटें तय की जाएंगी। इससे स्कूलों की सीटें कम या ज्यादा दिखाने का खेल समाप्त हो जाएगा। मिशनरी स्कूल अल्पसंख्यक वर्ग का स्टाफ रखकर और अल्पसंख्यक का प्रमाण पत्र जमा कर आरटीई के तहत प्रवेश के दायरे से बाहर हो रहे है। इस बार पोर्टल पर दर्ज विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर निजी स्कूलों में सीटें आरक्षित होंगी।

संपादकीय

पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए ...आयोग के गठन से रोजगारपरक समस्याओं के समाधान की उम्मीद

किसी पूर्व सैनिक को 12 बोर के लाइसेंस के लिए तहसीलों के चक्कर काटते, थाने के कारिंदों की चिरौरी करते देखना दुर्भाग्यपूर्ण है। जिन्होंने टैंक, तोपें, मिसाइलें चलाई हैं, कमांडो ऑपरेशन किए हैं, वे कचहरी के बाबुओं के सामने असहाय हो रहे हैं। यहां सिफारिश की संस्कृति चलती है, लेकिन नया रिटायर होकर आया पूर्व सैनिक कुछ करना चाहे, तो मुश्किलें रास्ता रोकती हैं। अब तो तीन वर्ष बाद अग्निवीर भी सैन्य सेवा से वापस आने लगेंगे। पिछले हफ्ते संसदीय स्टैंडिंग कमेटी ने सीमा पर बलिदान हुए अग्निवीरों के लिए सरकार को सुझाव दिया है कि उनके परिवार को नियमित सैनिकों की तरह पेंशन फंड दी जाए। उन्हें भी देश/प्रदेश की सेवाओं में समायोजन के आश्वासन दिए गए हैं। यदि यह व्यवस्था अभी से नहीं बनाई गई, तो अचानक सारी व्यवस्थाएं करने में मुश्किलें आ सकती हैं। लगभग प्रत्येक राज्य की सेवाओं में पूर्व सैनिकों के लिए तृतीय श्रेणी में पांच फीसदी से 15 फीसदी तक आरक्षण की व्यवस्था है। उत्तर प्रदेश में यह आरक्षण पांच फीसदी है। जातीय एजेंडे की सरकारों ने उत्तर प्रदेश की सिविल सेवा में पूर्व सैनिकों के आरक्षण को जातीय कोटे में बांट दिया है। अब तक जो सैनिक बिना जातीय आरक्षण के सेना में रहे, उन्हें अब राज्य सरकार की सेवाओं में समायोजन के लिए अपनी जाति बतानी पड़ रही है, जाति-प्रमाणपत्र लेना पड़ रहा है। इन संशोधनों के चलते पहले से चला आ रहा चयन बाधित हो गया है। दूसरी ओर, व्यवस्थागत कमियों के कारण तृतीय श्रेणी में आरक्षण कोटे का पूरी तरह भरा जाना संभव नहीं हो पाता। हालांकि योगी सरकार में स्थिति पहले से कहीं बेहतर हुई है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर समरूप नीतिगत दखल की आवश्यकता है। उधर हथियारों के लाइसेंस मिलने में भी अलग-अलग राज्यों में समस्याएं हैं। नतीजतन सुरक्षा गार्ड की नौकरी मिलने में भी मुश्किलें हो जाती हैं। प्रत्येक पूर्व सैनिक को पेंशन फंड की तरह एक शस्त्र के लाइसेंस का अधिकार भी सेवानिवृत्ति लाभ की तरह दिया जाना चाहिए। पूर्व सैनिकों के पास शस्त्र होने से उनके गांव या मुहल्लों, जहां वे रहते हैं, के नागरिकों को सुरक्षा का आभास होता है। पूर्व सैनिक प्रशिक्षित मानव शक्ति हैं, जो सिविल में पुलिस, सशस्त्र पुलिस, होमगार्ड, वन विभाग, वायरलेस ऑपरेशन, अग्निशमन, नागरिक सुरक्षा आदि विभागों में कई दायित्वों को बखूबी निभा सकते हैं। उनके आने से विभागीय कार्यक्षमताओं में वृद्धि ही होगी। नगर प्रबंधन, ग्राम स्तरीय योजनाओं के संचालन, शिक्षा व्यवस्था आदि में उनकी सक्रिय भागीदारी हो सकती है। पूर्व सैनिक कल्याण निदेशालय में वह प्रशासनिक शक्ति नहीं है, जिसके तहत वे विभिन्न विभागों से आरक्षित कोटे के भरे जाने के संबंध में प्रगति विवरण मांग सकें। पूर्व सैनिकों के रोजगार, स्थानीय समस्याओं यथा भूमि-विवादों संबंधी विषयों का भी त्वरित समाधान होता नहीं देखा गया है। आधारभूत समस्या यह है कि पूर्व सैनिकों के लिए एक अधिकार प्राप्त मंत्रालय न होने के कारण न तो उच्च स्तरीय समीक्षाएं हो पाती हैं, और न ही विभिन्न विभागों में रिक्तियों की स्थिति का पता चल पाता है। नतीजतन समस्याओं के समाधान के नीतिगत रास्ते नहीं बन पाते। उदाहरण के लिए, पुलिस, वन विभाग, होमगार्ड, शिक्षा आदि कई विभागों में नियुक्तियों केअवसर आते रहते हैं, लेकिन पूर्व सैनिकों के विषयों को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पाती, क्योंकि पूर्व सैनिक संवर्ग समाज कल्याण मंत्रालय का एक बहुत छोटा भाग होता है। राज्यों में भी पूर्व सैनिकों का कोई अलग मंत्रालय नहीं है। उत्तर प्रदेश में सैनिक कल्याण के लिए एक राज्यमंत्री तो होता है, लेकिन अलग विभाग व अलग सचिव न होने से उनकी प्रभावशीलता अत्यंत सीमित हो जाती है। कोई आत्मनिर्भर सचिव व सक्षम प्रशासनिक संरचना के न होने के कारण सैनिक कल्याण मंत्री का पद दिखावटी होकर रह गया है। यदि महिला आयोग, अनुसूचित जाति जनजाति आयोग, पिछड़ा वर्ग आयोग की तरह राज्यों में एक पूर्व सैनिक आयोग का गठन किया जाए, तो नीतिगत, व्यवस्थागत और रोजगारपरक समस्याओं के समाधान के रास्ते निकल सकते हैं।

देश का मूड तय करते हैं फैशन के रंग, इन्हें कहां से देखें?

राजनीति फैशन का उपयोग कर सकती है, लेकिन फैशन उद्योग राजनीति के रंग से कैसे बचता है, यह देखने की बात होगी... चुनाव आ रहे हैं, रंग छा रहे हैं। राजनीति अब फैशन स्टेटमेंट दे रही है। फैशन के रंग दरअसल कोड की तरह होते हैं, जो किसी देश का मूड तय करते हैं।छ हफ्ते पहले, जब अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की गूंज के साथ देश का ज्यादातर हिस्सा नारंगी हो गया था, तब सवाल उठ रहे थे कि सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। सवालों में फैशन था। आखिर कोई घटना ऐसी हो सकती है, जिसमें फैशन न हो? दिमाग में यह सवाल उठा। एक समाजशास्त्री बेशक फैशन को रचनात्मक उद्योग न समझे और सामाजिक-सांस्कृतिक घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते वक्त इसे जरूरी भी न समझे, लेकिन राजनीति के लिए फैशन कोई नई चीज नहीं है। इसके पीछे एक लोकप्रिय संदेश छिपा होता है। ये घटनाएं ऐसी होती हैं कि अगर इनमें फैशन न ढूंढा जाए, तो वह अक्सर छिपा ही रह जाता है। रंग फैशन का एक महत्वपूर्ण तत्व है। हम हर साल या हर मौसम में जिन रंगों को स्वीकार या अस्वीकार करते हैं, फैशन ही उन्हें निर्धारित करता है। फैशन के रंग दरअसल कोड की तरह होते हैं, जो किसी देश का मूड तय करते हैं। बात सिर्फ एक खास रंग की नहीं है, बल्कि हर तरह के राजनीतिक संदेश की है, जो ज्यादा लोगों तक फैशन के जरिये पहुंचाए जाते हैं। आने वाले चुनावों में भी राजनीतिक दलों द्वारा सोशल मीडिया क्रिएटर्स के साथ विज्ञापनों इत्यादि पर भी लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाएंगे। ताकत और पैसे का भरपूर प्रदर्शन होगा। कॉमनवेल्थ ऐंड कम्परेटिव पॉलिटिक्स में 2022 में प्रकाशित शोधपत्र में सिमोना विटोरिनी लिखती हैं, 'ऐसे समय में, जब राजनीति में किसी सर्वमान्य विचारधारा का अभाव है और उत्तर-आधुनिक विमर्श राष्ट्रवाद के नए स्वरूप को स्थापित कर रहा है, राजनीति काफी आकर्षक और व्यावसायिक हो गई है, नतीजतन न केवल लोकप्रिय वोटों को पाने के तरीकों में बदला व आया है, बल्कि लोकप्रिय भावनाओं को संगठित करने और भुनाने के तरीके भी बदल गए हैं। विटोरनी अपने शोधपत्र में आगे लिखती हैं, 'लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के तरीके और जनमत निर्माण की प्रक्रिया पहले जैसी पारंपरिक नहीं रही और केवल भाषण ही संवाद का जरिया नहीं है। अब कपड़ों के चयन, रंगों एवं अन्य माध्यमों से मतदाताओं के अवचेतन को प्रभावित किया जा रहा है। यहां मेरा मतलब किसी पार्टी या विचारधारा का विरोध या समर्थन करना नहीं है। निश्चित रूप से कोई राजनेता जब आइकन बन जाता है, तो उसकी हर बात फैशन स्टेटमेंट बन जाती है, चाहे वह खाना हो, पहनना हो या चलना। हमारे प्रधानमंत्री मोदी इसका बहुत अच्छा उदाहरण हैं। उनके पहनावे को लोगों, खासकर युवाओं द्वारा खूब अपनाया जा रहा है और इसमें कोई बुराई भी नहीं है। पर बड़ा मुद्दा यह है कि भारतीय फैशन जगत को इस अंधानुकरण से कैसे बचाएं एवं इसकी मौलिकता और रचनात्मकता को रंग, शैली या किसी भी राजनीतिक प्रभाव से कैसे बचाए रखें? बाजार के ट्रेंड से हटकर चलना और डिजाइन में राजनीतिक रंगों, स्टाइल और पैटर्न की नकल से बचना या फिर उसे कम-से-कम करना, वास्तव में चुनौती है। किसी विचार को उन्माद बनने में समय नहीं लगता और फैशन के संबंध में भी यह बात उतनी ही सही है। यह निश्चित रूप से बराबर की तुलना नहीं है, लेकिन बहुत पुरानी बात नहीं है, जब बार्बी, जो एक मूवी थी, पिंक कल्ट बन गई। जल्दी ही बार्बी एक गुड़िया से वॉलपेपर पैटर्न, केक और यहां तक कि कारों पर नजर आने लगी। विभिन्न उत्पादों की पैकेजिंग और उपभोक्ता उत्पाद, जैसे कि टूथब्रश, तौलिया सब बार्बीमय हो गए और बाजार ने पिंक की एकरसता व एकरूपता को लंबे समय तक देखा। ऐसे समय, जब उपभोक्ता को किसी उत्पाद या सेवा को सीधे खरीदने के लिए प्रेरित न कर कंपनियां व विज्ञापन एजेंसियां विभिन्न सर्वेक्षणों के माध्यम से उन्हें निर्णय प्रक्रिया में सहभागी बना रही हैं (ताकि उपभोक्ता को यह भ्रम हो कि उसने इनफॉर्म्ड चॉइस ली है), कंप्यूटर के क्लिक और मोबाइल के सिलेक्ट बटन की ताकत को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है। ऐसे में, फैशन-इंफ्लुएंसर्स, ब्लॉगर्स की महत्ता फैशन ट्रेंड सेट करने में और भी बढ़ गई है। आज का दौर वास्तव में प्रचार और आक्रामक मार्केटिंग का है। दुनिया भर में फैशन से ज्यादा बड़ी मार्केटिंग रणनीतियां हो गई हैं और मूल उत्पाद से ज्यादा यह महत्वपूर्ण हो गया है कि कौन-सा सितारा उसका प्रमोशन कर रहा है और कहां इन्हें लॉन्च किया जा रहा है। भारत के संदर्भ में देखें, तो कला, शिल्प, वस्त्र, फैशन-सबकुछ चुनाव के विभिन्न पक्षों से प्रभावित होता दिखता है। ऐसे में, फैशन शो की विशेषता और प्रदर्शनियों की पहचान बनाए रखने के लिए फैशन जगत को वैसे थीम और उत्पादों से बचना चाहिए, जो किसी एक राजनीतिक पार्टी की विचारधारा को संपोषित करते हों। वर्तमान भारतीय संदर्भ में रंगों का प्रभाव भी केवल वस्तुओं एवं उत्पादों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह राजनीतिक संदेश एवं राजनीतिक संबद्धता का भी परिचायक हो गया है। चाहे बात केसरिया की हो, या नीले की, या पीले की, या किसी अन्य रंग की-सब किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा से जुड़े नजर आते हैं। केसरिया निश्चित ही ज्यादा प्रभावी एवं हर जगह नजर आ रहा है। लोगों में इसकी मांग तेजी से बढ़ी है और फैशन जगत भी मांग एवं आपूर्ति के सिद्धांत से अछूता नहीं है। लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि भारतीय समाज समावेशी एवं धर्मनिरपेक्ष समाज रहा है और हमारे फैशन डिजाइनरों ने अपने रंगों, विषयों एवं आयोजनों में सूक्ष्म रूप से इन मूल्यों को संजोया एवं परिलक्षित भी किया है। रंग, डिजाइन और थीम किसी भी पोशाक को विशेषता प्रदान करते हैं और डिजाइनर डिजाइन के लिए कहीं न कहीं से प्रेरणा लेते ही हैं। जब सोशल मीडिया, टेलीविजन एवं अन्य दृश्य व श्रव्य माध्यम में एक ही तरह की विचारधारा का प्रचार-प्रसार हो एवं एक ही विषय-वस्तु की अधिकता एवं प्रभाव हो, तो डिजाइनर भी उससे अछूते नहीं रहते। अवचेतन मन पर वातावरण का प्रभाव तो पड़ता ही है और रचनात्मकता व मौलिकता के प्रभावित होने का भी खतरा रहता है।

संस्कृति के पन्नो से: तिलोत्तमा ने कैसे लिए दो भाइयों के प्राण

विश्वकर्मा ने त्रैलोक्य में अलग-अलग स्थान से तिल-तिल करके सर्वोत्कृष्ट, बहुमूल्य तत्व एकत्रित किए। अप्रतिम सौंदर्य वाले उन कणों से एक सुंदरी की रचना की। ब्रह्मा समेत सभी देवता उसके सौंदर्य को देखकर चकित रह गए।हिरण्यकशिपु असुर के वंश में दो भाई हुए- सुंद और उपसुंद। दोनों बलशाली होने के साथ-साथ अत्यंत क्रूर भी थे। वे सदा साथ में रहते थे। यहां तक कि उनकी पसंद-नापसंद भी एक-सी थी। एक दिन दोनों भाइयों ने ब्रह्मा को प्रसन्न करके उनसे अमरता का वरदान प्राप्त करने का मन बनाया और इसी उद्देश्य से दोनों ने तपस्या आरंभ कर दी। सुंद-उपसुंद के तप से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने दर्शन दिए। दोनों ने ब्रह्मा से अमरता का वरदान मांगा। परंतु ब्रह्मा सहमत नहीं हुए, तो सुंद-उपसुंद ने कहा, 'आप यह वरदान दीजिए कि हम दोनों केवल एक-दूसरे के हाथों ही मारे जाएं तथा कोई अन्य प्राणी हमारा वध न कर सके!' यह वरदान अमर होने के समान ही था, क्योंकि दोनों भाइयों में परस्पर इतना प्रेम था कि एक-दूसरे को मारने का प्रश्न ही नहीं था! ब्रह्मा ने 'तथास्तु' कहा और अंतर्धान हो गए। वरदान मिलने के बाद मृत्यु का भय समाप्त हो गया, तो दोनों भाई पूरी तरह निरंकुश हो गए। पहले उन्होंने देवलोक पर आक्रमण किया और फिर पृथ्वी पर रहने वाले ऋषि-मुनियों को सताने लगे। आखिर सभी देवता मिलकर सहायता मांगने ब्रह्मा के पास पहुंचे। ब्रह्मा ने देवताओं की व्यथा सुनी। उन्होंने कुछ देर विचार किया और फिर देवशिल्पी विश्वकर्मा को बुलाया। ब्रह्मा ने विश्वकर्मा से कहा, 'विश्वकर्मा! आप एक ऐसी स्त्री की रचना कीजिए, जो इतनी सुंदर हो कि उस जैसी स्त्री तीनों लोकों में कोई और न हो। जो उसे देखे, बस देखता रह जाए!' ब्रह्मा की आज्ञा पाकर विश्वकर्मा ने त्रैलोक्य में घूमकर अलग-अलग स्थानों से तिल- तिल करके सर्वोत्कृष्ट,सर्वाधिक बहुमूल्य एवं विस्मयकारी तत्व एकत्रित किए। फिर अप्रतिम सौंदर्य वाले उन कणों की सहायता से विश्वकर्मा ने एक सुंदरी की रचना की और उसे ब्रह्मा के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। ब्रह्मा समेत सभी देवता उस स्त्री के अभूतपूर्व सौंदर्य को देखकर चकित रह गए। ब्रह्मा बोले, 'इसका नाम 'तिलोत्तमा' होगा, क्योंकि इसे तीनों लोकों के उत्तम तिलों को जोड़कर बनाया गया है। यही सुंद और उपसुंद के अंत का कारण बनेगी!' फिर उन्होंने तिलोत्तमा से कहा, 'तुम्हें सुंद और उपसुंद को अपने सौंदर्य से लुभाना है। आगे का कार्य, वे स्वयं कर लेंगे!' तिलोत्तमा ने ब्रह्मा को प्रणाम किया और सुंद-उपसुंद के पास पहुंच गई। तिलोत्तमा को देखते ही दोनों भाइयों का रोम-रोम खिल उठा। उसके अप्रतिम लावण्य पर दोनों असुर भाई ऐसे मंत्रमुग्ध हुए कि उनमें कामाग्नि प्रज्वलित हो उठी। 'अहा! कैसा मनमोहक सौंदर्य! मैंने ऐसी सुंदर स्त्री जीवन में पहली बार देखी है।' सुंद ने हर्ष से भरकर कहा। उपसुंद भी बोला, 'मैं इसे अपनी पत्नी बनाऊंगा!' यह सुनकर सुंद को क्रोध आ गया। उसने भाई को फटकारते हुए कहा, 'मैंने इसे पहले देखा है, इसलिए यह मेरी पत्नी है।' 'देखने से क्या होता है!' उपसुंद चिल्लाया, 'पत्नी बनाने का विचार मुझे पहले आया है। इससे विवाह मैं ही करूंगा।' तिलोत्तमा जैसी कोई दूसरी स्त्री तीनों लोकों में नहीं मिल सकती थी। उसके मादक रूप-सौंदर्य ने उनकी बुद्धि हर ली और उसे प्राप्त करने के लिए दोनों लड़ने लगे। शीघ्र ही सुंद-उपसुंद की बहस ने उग्र रूप धारण कर लिया। दोनों में हाथापाई होने लगी। तिलोत्तमा पास खड़ी मुस्करा रही थी। वह ब्रह्मा की योजना को समझ चुकी थी। उसके अनुपम सौंदर्य ने दोनों भाइयों के बीच बैर उत्पन्न कर दिया था। अगले ही क्षण, दोनों भाइयों ने तलवारें निकाल लीं। उनके बीच भीषण युद्ध होने लगा। अंत में वही हुआ, जो होना था! दोनों ने एक-दूसरे को मार डाला।

ब्लैक होल रोज एक सूर्य को खा रहा है, रोशनी इतनी कि 12 अरब प्रकाश वर्ष दूर पृथ्वी पर दिख रही चमक

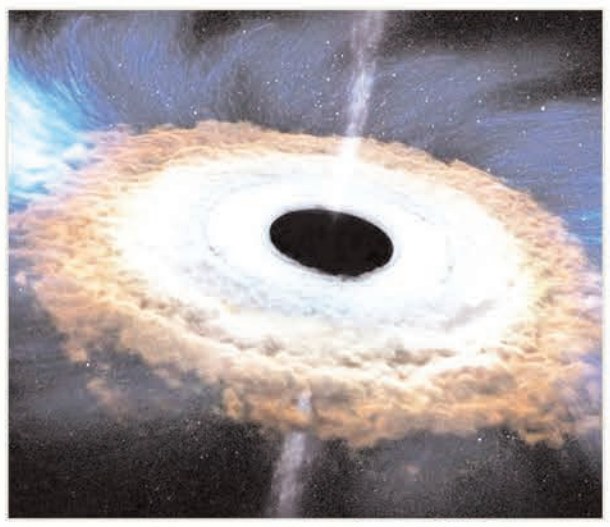

ब्लैक होल की भोजन प्रक्रिया का यह उन्माद युगों पहले ही खत्म हो चुका है, क्योंकि आकाशगंगाओं में चारों ओर तैरने वाली गैसें ज्यादातर तारों में बदल गई हैं और उन्होंने अरबों वर्षों में खुद को एक व्यवस्थित पैटर्न में स्थापित कर लिया है।नर्क क्या होता है, इसका सबूत तो वैज्ञानिकों के पास नहीं है। लेकिन पूरे ब्रह्मांड की सबसे नारकीय जगह से परिचय कराने के लिए वैज्ञानिकों को धन्यवाद जरूर दिया जाना चाहिए। दरअसल, नेचर एस्ट्रोनॉमी के नए अंक में एक ब्लैक होल का वर्णन है, जो ब्रह्मांड की अब तक ज्ञात सबसे बड़ी डिस्क से घिरा है, जिसका नाम है जे 0529-4351, जो ब्रह्मांड की सबसे चमकीली वस्तु भी है। हालांकि, यह कोई पहला ब्लैक होल नहीं है। इससे पहले भी करीब दस लाख बड़े ब्लैक होल खोजे जा चुके हैं, जो आकाशगंगाओं के केंद्र में स्थित हैं और करोड़ों सूर्य के बराबर हैं। पर तेजी से बढ़ रहा ये जे 0529-4351 ब्लैक होल कुछ अलग है। यह तारों व गैस के बादलों को अपनी ओर खींचता हुआ अंगूठी जैसी आकृति बना रहा है, जो केवल एक पैटर्न है, जिसे ब्लैक होल जल्द ही निगल लेता है। यह डिस्क घर्षण से जल्द ही गर्म हो जाती है, क्योंकि इसमें मौजूद सामग्री के एक साथ रगड़ने से इतनी चमक पैदा होती है कि 12 अरब प्रकाश वर्ष से ज्यादा दूर पृथ्वी पर ब्लैक होल की भोजन प्रक्रिया के उन्मादी दृश्य देखे जा सकते हैं। जे 0529-4351 की डिस्क सूर्य की तुलना में पांच हजार खरब गुना ज्यादा तेज प्रकाश उत्सर्जित कर रही है। ऊर्जा की इतनी मात्रा तभी उत्सर्जित हो सकती है, जब ब्लैक होल हर दिन एक सूर्य खा रहा हो। इसका द्रव्यमान हमारे सूर्य से 15 से 20 अरब गुना ज्यादा है। हालांकि हम पृथ्वी वालों को इससे डरने की जरूरत नहीं, क्योंकि इसकी रोशनी को हम तक पहुंचने में 12 अरब साल से ज्यादा का समय लगा है, जिसका अर्थ है कि इसने काफी पहले ही बढ़ना बंद कर दिया होगा। ब्लैक होल की भोजन प्रक्रिया का यह उन्माद युगों पहले ही खत्म हो चुका है, क्योंकि आकाशगंगाओं में चारों ओर तैरने वाली गैसें ज्यादातर तारों में बदल गई हैं और उन्होंने अरबों वर्षों में खुद को एक व्यवस्थित पैटर्न में स्थापित कर लिया है। अब वे ज्यादातर अपनी आकाशगंगाओं के केंद्र में मौजूद ब्लैक होल के चारों ओर लंबी व साफ-सुथरी कक्षाओं में हैं। सवाल उठता है कि यदि यह ब्रह्मांड की सबसे चमकीली चीज है, तो इसे अभी ही क्यों देखा गया? दरअसल, दुनिया के टेलिस्कोप इतना डाटा पैदा करते हैं कि खगोलशास्त्री इन्हें छानने के लिए परिष्कृत मशीन लर्निंग टूल का इस्तेमाल करते हैं। मशीन लर्निंग टूल अपनी प्रकृति से उन चीजों को ढूंढती है, जो पहले पाई गई चीजों के समान होते हैं। लेकिन जे 0529-4351 जैसे दुर्लभ स्तर को पहचानने के लिए हमने मशीन लर्निंग से परहेज करते हुए परंपरागत वेधशालाओं का उपयोग किया।

महाकाल का भस्मारती श्रृंगार; अंजीर-चेरी और काजू से बनाया सूर्य, मखाने-नारियल गोले की चढ़ाई माला

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज फाल्गुन कर्ष्णि पक्ष की प्रतिपदा पर रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुले। पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत से किया। इसके बाद पूजन अर्चन किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को रजत का मुकुट और रुद्राक्ष की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि बाबा महाकाल का श्रृंगार अंजीर, चेरी और काजू से सूर्य बनाकर किया गया। वहीं मखाने और खोपरे के गोले की माला भी चढ़ाई गई। इस श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई। भस्म अर्पित करने के पश्चात भगवान महाकाल को रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ साथ ही सुगंधित पुष्पों की माला अर्पित कर फल और मिष्ठान्न का भोग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी सं या में श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

आर माधवन के टोने-टोटके से डर गई स्टार वाइफ

मुंबई। आर माधवन जल्द पर्दे पर काला जादू और टोना टोटका करते दिखाई देने वाले हैं. फिल्म 'शैतान' में वह डरावने अवतार में नजर आने वाले हैं. पर्दे पर परिवार और तांत्रिक के बीच की लड़ाई देखने में काफी डरावनी होने वाली है. फिल्म में आर माधवन के साथ अजय देवगन और ज्योतिका भी नजर आने वाले हैं. फिल्म के विलेन के अवतार में आर माधवन नजर आने वाले हैं. फिल्म के ट्रेलर ने लोगों के ही नहीं, स्टार पत्नी के भी पसीने छुड़ा दिए. इसका खुलासा उन्होंने खुद किया है. फिल्म 'शैतान' 8 मार्च को रिलीज होने वाली हैं. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ, जिसको देखने के बाद लोगों के रूह कांप गई. फिल्म में आर माधवन टोना टोटका- काला जादू करते नजर आने वाले हैं. उनके इस अवतार को देखने के बाद अब तो उनकी पत्नी भी उनसे खौफजदा हैं.

'शर्मा जी' बन गए 'शैतान'

'तनु वेड्स मनु' फिल्म के स्वीट-'सुशील शर्मा' को तो आप भूले नहीं होंगे. सीधे-साधे शर्मा जी और शैतान अवतार में नजर आने वाले हैं. 'शैतान' के ट्रेलर को देख फैंस मान रहे हैं कि फिल्म बेहतरीन होने वाली हैं. ट्रेलर लॉन्च के मौके पर माधवन ने बताया कि उनकी पत्नी का ये ट्रेलर देखने के बाद क्या रिएक्शन था.

'सुनो, तुम मेरे से दूर रहना

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट्स के मुताबिक, माधवन ने ट्रेलर लॉन्च पर 'शैतान' के लुक पर अपनी वाइफ का रिएक्शन बताया. उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि मुझे अच्छे से याद है कि जब मैंने यह ट्रेलर और फिल्म की कुछ तस्वीर अपनी पत्नी को दिखाई तो वह मुझे बिल्कुल अलग तरीके से देखने लगी. हद तो तब हो गई जब आज उसने मुझसे कहा कि मेरे से बात करते समय थोड़ी दूरी बनाए रखना. सलिए, मुझे लगता है, इस फिल्म ने मेरे निजी जीवन को एक निश्चित स्तर तक प्रभावित किया है.

'नहीं जानता था इस हद तक डराना है

53 साल के एक्टर ने आगे बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि मेकर्स 'शैतान' की कहानी में हॉरर एलिमेंट्स को इस लेवल पर ले जाएंगे. उन्होंने बताया, 'जब मैंने फिल्म करने का फैसला किया था, मैंने बिल्कुल भी उम्मीद नहीं की थी कि हम किस लेवल पर जाने वाले हैं, ना मैंने ये सोचा था कि हम जनता को किस लेवल तक डराने वाले हैं.' आर माधवन ने कहा कि खुद को इस लेवल पर पहुंचाने के बाद भी मैंने ऐसा कुछ करने की उम्मीद नहीं की थी, जिससे असल जिंदगी में भी लोग मेरे पास आने से डरेंगे.

पहली बार अजय-माधवन दिखेंगे साथा-साथ

अजय देवगन ने इस साल की शुरुआत में 'शैतान' अनाउंस की थी. फिल्म में लीड रोल निभाने के साथ वह फिल्म के प्रोड्यूसर भी हैं. 'शैतान' में माधवन पहली बार अजय के साथ काम करने जा रहे हैं. वहीं, 1997 में बॉलीवुड डेब्यू करने वाली ज्योतिका 25 साल बाद हिंदी फिल्म में काम करने जा रही हैं. उन्होंने आखिरी बार 2001 में हिंदी-तमिल फिल्म 'लिटल जॉन' में काम किया था.

फिर एक्शन में हीरो और एक्टिंग में जीरो निकले जामवाल....

सिनेमा लवर्स डे पर दर्शकों को किया निराश

अभिनेता से निर्माता बने विद्युत जामवाल की फिल्म क्रैक जीतेगा तो जिएगा स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म है। दावा ये भी किया जा रहा है कि स्पोर्ट्स एक्शन पर हिंदी में बनने वाली यह पहली फिल्म है। विद्युत जामवाल की फिल्मों में एक्शन हीरो की जो छवि रही है, अपनी उसी छवि को पर्दे पर दोहराते आए है। निर्माता के रूप में विद्युत जामवाल की यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह आईबी 71 फिल्म का निर्माण कर चुके हैं। निर्माता बनने के पीछे उनकी यही सोच रही है कि अपने मन मुताबिक अच्छी कहानियों का चयन कर सके। लेकिन अपनी फिल्मों में वह जिस तरह से एक्शन को लेकर नए -नए प्रयोग करते रहते हैं। अगर इसी तरह अपने किरदार और कहानियों के साथ भी प्रयोग करते रहते तो अब उनका नाम बड़े सितारों की सूची में शुमार होता।

फिल्म %क्रैक जीतेगा तो जिएगा% में जबरदस्त एक्शन सीन्स है। फिल्म का जैसा शीर्षक है फिल्म की कहानी भी वैसे ही है। यह एक स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म है, इस खेल को खेलने वाले खिलाड़ी की जान चली जाती है और जो जीतता है, वही बचता है। फिल्म की कहानी की शुरुआत सिद्धू उर्फ सिद्धार्थ दीक्षित से होती है जो एक अंडरग्राउंड एक्सट्रीम खेल प्रतियोगिता में भाग लेना चाहता है। लेकिन उसके माता पिता नहीं चाहते हैं कि वह इस खेल प्रतियोगिता में भाग ले। क्योंकि इसी प्रतियोगिता में सिद्धू के बड़े भाई निहाल की मौत हो गई थी। सिद्धू के जिंदगी का एक ही मकसद है, उस प्रतियोगिता में भाग लेकर खूब पैसे कामना। पोलैंड में %मैदान% प्रतियोगिता का आयोजन देव करता है। पोलैंड में जाने के बाद सिद्धू को पता चलता है कि उसके भाई की मौत, खेल की वजह से नहीं, बल्कि एक साजिश की वजह से हुई थी।

इस फिल्म की पूरी कहानी को अगर आसान भाषा में समझे तो कहानी सिर्फ भाई के मौत का बदला लेने की है। यह बताने की जरूरत नहीं है कि इस विषय पर अब तक न जाने कितनी फिल्में बन चुकी हैं। फिल्म की कहानी निर्देशक आदित्य दत्त ने रेहान खान, सरीम मोमिन और मोहिंदर प्रताप सिंह के साथ मिलकर लिखी हैं। फिल्म की पटकथा और संवाद बेहद कमजोर हैं। विद्युत जामवाल ने मुंबइया टपोरी वाली भाषा फिल्म में बोली है, लेकिन टपोरी भाषा वाली शैली को सही से पकड़ नहीं पाए। पूरी फिल्म की बात करें तो सिर्फ एक्शन के अलावा और कोई और चीज नजर नहीं आई जो दर्शकों को प्रभावित कर सके।

फिल्म में विद्युत जामवाल के कुछ एक्शन सीन देखकर वाकई रोंगटे खड़े होते हैं। इस फिल्म में उनका एक्शन सीन एक अलग ही स्तर पर दिखा है। चाहे वह लोकल ट्रेन पर खतरनाक स्टंट हो या फिर हवाई जहाज पर एक्शन सीन हो। विद्युत जामवाल सिर्फ एक ही खूबी है कि वह एक्शन सीन बहुत अच्छा कर लेते हैं, लेकिन अभिनय में वह बहुत ही कमजोर है। जो डायलॉग वह बोलते हैं, उसके भाव उनके चेहरे पर नजर नहीं आते हैं। कुछ दृश्यों में वह गुस्से से चिल्लाते नजर आए हैं, वह भी बनावटीपन ही नजर आया है। फिल्म के निर्देशक आदित्य दत्त इस फिल्म से पहले विद्युत जामवाल को फिल्म %कमांडो 3% में निर्देशित कर चुके हैं। वह फिल्म मुश्किल से अपनी लागत निकाल पाई थी। वैसे भी देखा जाए तो %फोर्स% से लेकर %आईबी 71% तक विद्युत जामवाल की जितनी भी फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हुई हैं, उनके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन निराशाजनक ही रहे हैं।

फिल्म %क्रैक जीतेगा तो जिएगा% में विद्युत जामवाल ने सिद्धू उर्फ सिद्धार्थ दीक्षित की भूमिका निभाई है। परफॉर्मेंस के हिसाब से देखा जाए तो उनसे बेहतर परफॉर्मेंस उनके बड़े भाई निहाल की भूमिका में अंकित मोहन की रही है। फिल्म में भले ही उनके कम सीन हैं, लेकिन जब वह संवाद बोलते हैं तो एक - एक शब्द के भाव निखर कर आते हैं। नोरा फतेही ने आलिया नाम की इन्फ्लुएंसर की भूमिका निभाई है जो सिद्धू से प्यार करती है। फिल्म में विद्युत जामवाल के साथ उनकी केमिस्ट्री एकदम फीकी नजर आई है। एक अभिनेत्री के तौर पर खुद को स्थापित करने के लिए नोरा फतेही को अभी बहुत ही ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। फिल्म में देव की भूमिका अर्जुन रामपाल ने निभाई है, अब तक फिल्मों में जिस तरह से वह अभिनय करते आए हैं, वैसा ही अभिनय इस फिल्म में भी नजर आया है। पैट्रिशिया नोवाक की भूमिका में एमी जैक्सन ने निराश ही किया है।

निर्देशक सुजीत के साथ नानी की अगली फिल्म का एलान

अभिनेता के जन्मदिन पर जारी हुआ नानी 32 का वीडियो

साउथ के नेचुरल स्टार कहे जाने वाले नानी का 40वां जन्मदिन बेहद खास रहा। आज उनकी फिल्म सारिपोधा सानिवारम का एक्शन से भरपूर दमदार टीजर रिलीज हुआ, जिसे फैंस ने खूब पसंद किया। वहीं अब उनकी नई फिल्म की आधिकारिक घोषणा भी हो चुकी है। अभिनेता के जन्मदिन पर उनके फैंस को उनकी नई फिल्म का खास तोहफा मिला है। नानी की अगली फिल्म निर्देशक सुजीत के साथ होगी, जिसे फिलहाल नानी 32 कहा जा रहा है। नानी की 32वीं फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर साझा किया है।

आरआरआर के निर्माता करेंगे फिल्म का निर्माण

नानी की नई फिल्म का आधिकारिक एलान हो चुका है। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म का निर्माण डीवीवी एंटरटेनमेंट्स बैनर के तहत डीवीवी दानय्या और कल्याण दासारी द्वारा किया जा रहा है, जिन्होंने एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी ऑस्कर विजेता ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर का निर्माण किया था। सारिपोधा सानिवारम के बाद डीवीवी एंटरटेनमेंट बैनर ने एक बार फिर नानी से हाथ मिलाया है। फिल्म का रोमांचक घोषणा वीडियो डीवीवी मूवीज द्वारा अपने यूट्यूब पेज पर साझा किया गया। फिल्म का वीडियो निर्माताओं ने विटी एक्शन राइड टैगलाइन के साथ जारी किया। घोषणा वीडियो में एक ट्रक दिखाया गया है, जो तेज रफ्तार में जा रहा है। वीडियो में कहा गया कि जा एक आदमी अहिंसक हो जाता है तो उसकी जिंदगी में सबकुछ उलट-पलट हो जाता है। वहीं नानी ने भी अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, यह सुजीत की फिल्म है। पावर के बाद प्रेमी आता है। नानी 32 के लिए उत्साहित हूं। सारिपोधा सानिवारम के पूरा होते ही नानी32 की शूटिंग शुरू हो जाएगी। प्रवीण लक्करजू नानी और सुजीत की इस फिल्म में संगीत देंगे। यह फिल्म 2025 में रिलीज होगी।

दिग्गज अभिनेत्री जया बच्चन फिल्में नहीं बल्कि सेना में जाना चाहती थीं

मुंबई । दिग्गज बॉलीवुड एक्ट्रेस जया बच्चन अपने बेबाक स्वभाव के लिए जानी जाती हैं। जया बच्चन एक्टिंग के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में जया बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन नंदा के साथ अपनी पोती नव्या नवेली नंदा के पॉडकास्ट शो में नजर आईं। नव्या का व्हाट द हेल नव्या का दूसरा सीजन हाल ही में रिलीज हुआ था। इस पॉडकास्ट में जया बच्चन, श्वेता बच्चन और नव्या कई विषयों पर बातचीत करती हैं। शो में लैंगिक समानता पर टिप्पणी की गई। इसके अलावा जया बच्चन ने पुरुष प्रधान क्षेत्रों में महिलाओं को होने वाली कठिनाइयों पर भी टिप्पणी की। इस दौरान कमेंट करते हुए जया बच्चन ने बताया कि वह एक्टिंग के क्षेत्र में नहीं बल्कि सेना में शामिल होना चाहती थीं, लेकिन उस समय समाज में लोगों की गलत सोच और पुरुषों के बीच भेदभाव के कारण जया बच्चन का यह सपना अधूरा रह गया। जया बच्चन ने कहा, 'मुझे आज भी याद है कि मैं सेना में शामिल होना चाहती थी, लेकिन मुझे ऐसा नहीं मिला जिससे मैं बहुत निराश हो गई थी। उस समय सेना में महिलाओं को केवल नर्स के रूप में भर्ती किया जाता था। मुझे अभिनय से ज्यादा सेना में शामिल होने में दिलचस्पी थी। जया बच्चन के बयान को दोहराते हुए, श्वेता बच्चन ने भी पुरुषों और महिलाओं के बीच भेदभाव पर टिप्पणी की। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है, अब कार में बैठे पुरुष और कार चलाती महिला की तस्वीर बेहद आम मानी जाती है। श्वेता बच्चन ने भी ये टिप्पणी की। जया बच्चन पिछले साल करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आई थीं। इस फिल्म में भी पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता पर अच्छी टिप्पणी की गई थी। इसके अलावा, जया बच्चन ने हाल ही में अपनी नेटवर्थ के बारे में खुलासा किया, जिससे वह सुर्खियों में आ गईं।

रकुल प्रीत ने पूरी की 'चौका चारधाना' की रस्म इस व्यंजन से कराया ससुराल वालों का मुंह मीठा

डेस्क। रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने 21 फरवरी को गोवा में शादी रचाई। कपल की शादी में फिल्म जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं। शादी के बाद रकुल अपने ससुराल यानि जैकी के घर पहुंच चुकी हैं। शादी की कुछ रस्में अभी जारी हैं। इनमें से एक रस्म रकुल ने शनिवार को पूरी की और इसकी तस्वीर भी उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा की। रकुल ने ससुराल पहुंचकर पहली रसोई बनाई। रकुल प्रीत सिंह ने जैकी भगनानी के घर पहुंचकर ससुराल में पहली बार खाना बनाया। पंजाबी घरों में इस रस्म को 'चौका चारधाना' कहा जाता है। इस दौरान रकुल ने ससुराल वालों के लिए हलवा बनाया और सभी का मुंह मीठा कराया। रकुल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक तस्वीर साझा की है। इसमें हलवा से भरी कटोरी नजर आ रही है, जिसके साथ रकुल ने लिखा है, 'चौका चारधाना'। 'चौका चारधाना' की रस्म में नई-नवेली दुल्हन ससुराल में जब पहली बार कुछ बनाती है तो कुछ मीठा और पकवान बनाती है। रकुल ने भी यह रस्म निभाते हुए हलवा बनाया। उन्होंने चांदी की कटोरी में इसे परोसा। मालूम हो कि लंबे वक्त तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 21 फरवरी को गोवा में रकुल प्रीत और जैकी विवाह बंधन में बंधे। रकुल और जैकी भगनानी ने दो रीति-रिवाजों से शादी की है। उन्होंने आनंद कारज और फिर सिंधी रीति-रिवाज के साथ एक-दूसरे का हाथ थामा है। कपल की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। शादी के बाद दोनों मुंबई लौट आए हैं। ससुराल में रकुल का भव्य स्वागत हुआ। जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह पिछले चार साल से डेट कर रहे थे। साल 2021 में उन्होंने अपना रिश्ता ऑफिशियल किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके प्यार की शुरुआत लॉकडाउन के दौरान हुई थी और तबसे दोनों साथ हैं। रकुल प्रीत जहां इंडस्ट्री की चर्चित अदाकारा हैं। वहीं, जैकी भगनानी फिल्म प्रोड्यूसर हैं।

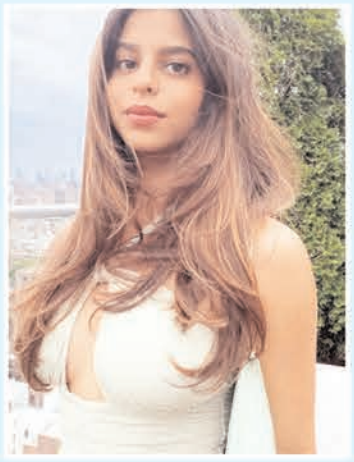

शाहरुख खान की लाड़ली सुहाना खान ने अलीबाग में खरीदी प्रॉपर्टी

मुंबई। एक्ट्रेस सुहाना खान अपने पिता शाहरुख खान के नक्शे कदम पर चलते हुए एक्टिंग में करियर बनाने का फैसला किया। सुहाना ने 2023 में जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। सुहाना की पहली फिल्म दर्शकों को खास पसंद नहीं आई थी, लेकिन इस फिल्म के बाद उन्होंने महज 23 साल की उम्र में अलीबाग (महाराष्ट्र) में एक प्लॉट खरीदा है। सुहाना ने अलीबाग के एक गांव में प्लॉट खरीदा है, जो मुंबई से कुछ ही किलोमीटर दूर है। यह प्लॉट करीब 78,361 वर्ग फीट का है। इसकी कीमत करीब 9.5 करोड़ रुपये है और फिलहाल सुहाना ने 57 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी चुकाई है। ये पहली बार नहीं है जब सुहाना ने प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट किया हो। रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2023 में सुहाना ने 1.5 एकड़ कृषि भूमि खरीदी थी। सुहाना ने रायगढ़ के अलीबाग में यह कृषि भूमि करीब 12.91 करोड़ में खरीदी है। कुछ ही महीनों के बाद अब उन्होंने प्लॉट खरीद लिया है। सुहाना से पहले शाहरुख ने भी अलीबाग में एक विला खरीदा था। उनका विला समुद्र के पास है और इसमें हेलीपैड, स्विमिंग पूल जैसी सुविधाएं हैं। उनका विला 20 हजार वर्ग फीट के क्षेत्र में फैला हुआ है। अलीबाग में पहले भी कई सेलिब्रिटीज प्रॉपर्टी खरीद चुके हैं। अलीबाग दिन-ब-दिन मशहूर हस्तियों को आकर्षित कर रहा है। विराट कोहली-अनुष्का शर्मा, रणवीर सिंह-दीपिका पादुकोण ने भी अलीबाग में प्रॉपर्टी खरीदी है।

सोने में150 और चांदी में 550 रुपये का उछाल, जानिए इंदौर, उज्जैन और रतलाम सराफा बाजार के भाव

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार को देर रात सटोरियों की सक्रियता बढ़ने और कागजी सौदेबाजी के चलते सोना और चांदी वायदा उछलकर बंद हुआ। कामेक्स पर सोना 10 डालर बढ़कर 2037 डालर प्रति औंस और चांदी 14 सेंट बढ़कर 22.98 डालर प्रति औंस पर बंद हुई। इससे शनिवार को भारतीय बाजारों में सोना और चांदी की कीमतों ऊंची खुली।

इधर, इंदौर मार्केट में वैवाहिक सीजन वालों की अच्छी ग्राहकी बनी हुई है। शनिवार को इंदौर में सोना कैडबरी 150 रुपये उछलकर 63750 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी चौरसा 550 रुपये बढ़कर 71600 प्रति किलो पर पहुंच गई। हालांकि चांदी में ग्राहकी का सपोर्ट कमजोर है, लेकिन सोने के गहनों में उपभोक्ता पूछपरख अच्छी बनी हुई है जो होली के पहले वैवाहिक मुहूर्त की समाप्ति से पहले यानी अगले 10 दिनों तक अच्छी रहने की उम्मीद है। ेना कैडबरी रवा नकद में 63750 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 64000 रुपये, सोना (91.60 कैरेट) 58625 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। शुक्रवार को सोना 63600 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 71600 रुपये, चांदी टंच 71750 रुपये तथा चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 71600 रुपये प्रति किलो बोली गई। शुक्रवार को चांदी 71050 रुपये पर बंद हुई थी।

हल्दी उत्पादक केंद्रों पर लेवाली कमजोर होने से भाव में गिरावट

इंदौर। हल्दी उत्पादक केंद्रों पर कीमतों में गिरावट का रुख बनने लगा है। नई फसल की शुरुआत के साथ स्टाक जारी होने के साथ ही धीमी खरीदारी से मंदी को सपोर्ट मिल रहा है। हालांकि, गिरावट सीमित है क्योंकि हाजिर बाजार में आपूर्ति कम होना है। नई फसलों की कटाई में देरी और अंतिम स्टाक की कमी से निकट भविष्य में हल्दी बाजार की धारणा सकारात्मक रहने की उम्मीद है।अप्रैल से दिसंबर 2023 के दौरान हल्दी के निर्यात में 2022 की समान अवधि की तुलना में 2.27 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। दिसंबर 2023 में हल्दी का निर्यात नवंबर से 21.47 प्रतिशत बढ़ गया, लेकिन दिसंबर 2022 की तुलना में 13.41 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। अप्रैल से दिसंबर 2023 के दौरान हल्दी का आयात 25.43 प्रतिशत कम हो गया। उसी महीने की तुलना में दिसंबर 2023 में 29.91 फीसद की वृद्धि हुई। व्यापारियों को आपूर्ति गतिशीलता, निर्यात-आयात रुझान और तकनीकी के प्रभाव को देखते हुए हल्दी में फिलहाल जहां लंबी तेजी नहीं दिख रही। वहीं दाम ज्यादा घटने की गुंजाइश भी कम है।

इंदौर में इन दिनों हल्दी निजामाबाद 150 से 200, हल्दी लालगाय 260-265 रुपये प्रति किलो तक बोली जा रही है। नए मालों की आवक बढ़ने पर हल्दी निजामाबाद में के दामों में कुछ गिरावट की उम्मीद की जा रही है लेकिन सांगली हल्दी (लालगाय) के दाम ज्यादा टूटने की उम्मीद नहीं है। खोपरा गोला उत्पादक केंद्रों पर किसानी मालों की आवक कम होने से नीलामी केंद्रों पर गोले के टेंडर ऊंचे भरे गए। इससे इंदौर मार्केट में भी खोपरा गोले के घटते दामों में रुकावट के साथ ही कुछ मजबूती देखने को मिली है। खोपरा बूरे में कारोबार सामान्य रहा। भाव मे स्थिरता रही। नारियल में छुटपुट लेवाली रहने से भाव मजबूती पर टिके रहे। नारियल की आवक दो गाड़ी की रही। इधर, शकर में वैवाहिक सीजन वालों की मांग अच्छी रहने से घटते दामों में रुकावट आई है। शकर नीचे में 3715 तथा ऊपर में 3770 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली गई। शकर की आवक सात गाड़ी की रही।

शकर के दाम - शकर 3715-3770, एम-शकर 3790-3820, गुड करेली कटोरा 4000-4100, लड्डू 4200-4300, बरफी 4700-4800, गिलास एक किलो 4600-4900, भैली 3800-3900 रुपये क्विंटल। नारियल - नारियल 120 भरती 1400-1450, 160 भरती 1450-1500, 200 भरती 1550-1600, 250 भरती 1650-1700 रुपये प्रति बोरी और खोपरा गोला बक्सा 115-125, कट्टे 105-107 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2450-4550 प्रति 15 किलो।

फलाहारी - सच्चामोती एगमार्क साबूदाना (1 किलो) 7360, सच्चासाबू एगमार्क खीरदाना (500 ग्राम) 7520, सच्चासाबू एगमार्क फूलदाना (नायलान) (500 ग्राम) 8210,सच्चासाबू एगमार्क चीनीदाना (500 ग्राम) 8110, गोपाल साबूदाना लूज (25 किलो) 6790,अल्पहार/कुकरीजाँकी भगर मोरधन (500 ग्राम) 9920 प्रति क्विंटल। रायल रतन साबूदाना (1 किलो) 7300, रायलरतन (500 ग्राम) 7360 व रायलरतन लूज 6800, रायल सच्चामोती पोहा एक किलो 5450 व 35 किलो पैकिंग में 4800, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये।

पूजन सामग्री - देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 110 से 125, बेस्ट 175 से 190, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7400 रुपये।

मसालों के दाम - हल्दी निजामाबाद 1750 से 200, हल्दी लालगाय 260-265 कालीमिर्च गारबल 610 से 614 एटम 618 से 624, मटरदाना 667 से 675, जीरा ऊंझा 370 से 380, मीडियम 385 से 390 बेस्ट 410 से 425 सौंफ मोटी 95 से 125, मीडियम 175 से 225, बेस्ट 355 से 375, बारीक 350-400 , लौंग मीडियम 850 से 900, बेस्ट 950-965 सौंठ 295 से 325 बेस्ट 375 से 400, दालचीनी 245-255, जायफल 580-650, बेस्ट 700 जावत्री 1900-1950, बड़ी इलायची 1350 से 1400 बेस्ट 1450 से 1560, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 750-775 शाहजीरा खर 350 से 360, ग्रीन 600-611, तेजपान 91-101, नागकेसर 750 से 775, धोली मूसली 2100 से 2250, सिंघाड़ा छोटा 90-105 बड़ा 115 हींग वनदेवी दाना751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925 , हरी इलायची 11850-1900 मीडियम बोल्ड 2100 से 2300 बोल्ड 2400-2500 बेस्ट ए बोल्ड 2550-2800 और सफेद तिल्ली 148-155 बेस्ट 155-160 रुपये।

सूखे मेवों के दाम - काजू डब्ल्यू 240 नंबर 760-800, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 680 से 700, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 670-680, काजू जेएच 590-600 टुकड़ी 530-550, बादाम 550-570 बेस्ट 640-660 आस्ट्रेलियन बादाम बेस्ट 625-750 खसखस मीडियम 650-725 बेस्ट 1125-1225 तरबूज मगज 750-760 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 301 किशमिश कंधारी 420 से 470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140 से 150 बेस्ट 170 से 190 , चारोली 1485 से 1550, बेस्ट 1600 मुनक्का 450 से 550 बेस्ट 650 से 900, अंजीर 750 से 900 बेस्ट 1150 से 1450 मखाना 650 से 785, मीडियम 825 से 875 बेस्ट 900-925, केसर ब्रांडेड 188 से 190 अन्य 145-150 पिस्ता 1300-1450 ईरानी 1500-1600, नमकीन पिस्ता 850-1000 अखरोट 450 से 500, बेस्ट 550 से 650, अखरोट गिरी 700 से 1050 जर्दालू 250 से 350, बेस्ट 450 से 550 गोंद नाइजीरिया 180-250, गोंद धावड़ा 400-700 रुपये।

दालों में बिक्री कमजोर, चना मसूर और तुवर में गिरावट

इंदौर। सब्जियों की भरपूर आवक के साथ ही बाजारों में आम की दस्तक भी होने से दालों में उपभोक्ता ग्राहकी कमजोर दिख रही है। इसके असर से दलहन में कारोबार बेहद सुस्त बना हुआ है। नए चना कांटे की आवक धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। नमी अधिक होने और दालों में बिक्री नहीं होने से मिलों की लेवाली चने में कमजोर है, जिससे चने के दामों में गिरावट दर्ज की गई। शनिवार को चना कांटा 100 रुपये घटकर 5900 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। देसी चने की फसल महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, आंध्रप्रदेश में आ गई है, लेकिन उक्त चारों राज्यों में उत्पादकता कम बैठ रही है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में बोवनी कम हुई है, इन परिस्थितियों को ध्यान मे रखते हुए कीमतों में ज्यादा मंदी की गुंजाइश कम है। हालांकि नए मालों की आवक बढ़ने पर कुछ और गिरावट देखने को मिल सकती है। इधर, काबुली चने की आवक भी भरपूर मात्रा में हो रही है जबकि लोकल के साथ ही निर्यातकों की लेवाली आशानुरूप नहीं होने के कारण इसके दाम भी लगातार नीचे की ओर जा रहे है। मसूर में आयातित मालों की बिकवाली बढ़ने और लेवाल कम होने से भाव में मंदी रही। मसूर 50-75 रुपये और घटकर 5750-5775 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। इधर, सरकार द्वारा तुवर दाल के बढ़ते दामों को ध्यान में रखते हुए सख्त कदम उठा सकती है। ऐसे चर्चा है कि आयातित तुवर के लिए मूल्य सीमा निर्धारित की जा सकती है। इसकी घबराहट के कारण तुवर में बिकवाली का प्रेशर देखने को मिला है जबकि लेवाल बेहद कमजोर होने से भाव में नरमी रही। शनिवार को तुवर में 100 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गई। उड़द-मूंग में कारोबार सामान्य रहा। भाव में स्थिरता रही। कंटेनर में डालर चना नया 40/42 13200, 42/44 13000, 44/46 12800, 58/60 11800, 60/62 11700, 62/64 11600 रुपये क्विंटल पर पहुंच गया।

दलहन के दाम - चना कांटा 5900, विशाल 5700-5750, नया विशाल 5400-5600, बेस्ट विशाल 5650-5800, डंकी 5300-5500, मसूर 5750-5775, तुवर महाराष्ट्र सफेद 10000-10200, कर्नाटक 10200-10400, निमाड़ी तुवर 8700-9500, मूंग 9000-9100, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9200, मीडियम 7000-8000, हल्की उड़द 3000-5000, नया गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2400, मालवराज बेस्ट 2400-2400, लोकवन 2650-2950, पूर्णा 2650-2900 रुपये क्विंटल।

दालों के दाम - चना दाल 7800-7900, मीडियम 8000-8100, बेस्ट 8200-8300, मसूर दाल 7400-7500, बेस्ट 7600-7700, मूंग दाल 10700-10700, बेस्ट 10800-10900, मूंग मोगर 11200-11300, बेस्ट 11400-11500, तुवर दाल 11800-12000, मीडियम 12900-13000, बेस्ट 13900-14000, ए. बेस्ट 14900-15000, पैकिंग तुवर दाल नई 15000, उड़द दाल 10800-10900, बेस्ट 11000-11100, उड़द मोगर 11000-11100, बेस्ट 11200-11300 रुपये क्विंटल।

इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-12500, तिबार 10000-11000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9500, मिनी दुबार 7500-8500, मोगरा 4500-7000, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

मांग के मुकाबले आपूर्ति तंग होने से सोया तेल 15 रुपये उछला

इंदौर। ग्रामीण क्षेत्रों से इन दिनों सोयाबीन की आवक कमजोर है, क्योंकि वैवाहिक कार्यों में किसान व्यस्त दिख रहे हैं। आवक की कमी के कारण प्लांट पूरी क्षमता से नहीं चल पा रहे हैं। वहीं, वैवाहिक सीजन की वजह से सोया तेल में मांग जोरदार बनी हुई है। आगे होली की मांग भी निकल रही है, जबकि सोया तेल का स्टाक बाजारों में पर्याप्त मात्रा में नहीं है। बीते दिनों की गिरावट को देखकर स्टाकिस्ट संभलकर खरीदी कर रहे थे। ऐसे में अब तेजी को बल मिल रहा है। शनिवार को सोया तेल इंदौर 10-15 रुपये बढ़कर 920-925, मुबई 910-915 रुपये प्रति दस किलो पर पहुंच गया।दूसरी और विदेशों में कमजोर मांग के कारण सीबीओटी सोयाबीन कई वर्षों के निचले स्तर पर आ गया। ब्राजील से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिकी सोयाबीन साप्ताहिक निर्यात 84 प्रतिशत गिरकर 55900 टन हुआ। अमेरिका द्वारा ब्राजील से सोयाबीन खरीद की खबर से भी दबाव बढ़ा है। 1.04 लाख टन सोयाबीन के साथ तीन जहाज ब्राजील बंदरगाह से अमेरिका के लिए रवाना होने वाले हैं। ब्राजील में 38.03 प्रतिशत सोयाबीन क्षेत्र की कटाई हुई जबकि पिछले साल यह 34.51 प्रतिशत थी। इस सप्ताह सीबोट सोयाबीन और सोया तेल में 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

अर्जेंटीना सोया तेल एफओबी ने इस सप्ताह सीमित दायरे में कारोबार किया और लगभग 800 डॉलर प्रति टन पर स्थिर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोयामील के भाव घट रही हैं, जिससे भारतीय सोयामील आयातकों के लिए कम आकर्षक हो गया है। मंडी में सोयाबीन 4450, सरसों निमाड़ी 6000-6100, रायडा 4100-4400 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।

लूज तेल के दाम - (प्रति दस किलो के भाव) मूंगफली तेल इंदौर 1500-1520, मुंबई मूंगफली तेल 1500-1520, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 920-925, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 870-875, इंदौर पाम 920, मुंबई सोया रिफाइंड 910-915, सोया डीगम 840, मुंबई पाम तेल 865, राजकोट तेलिया 2350, गुजरात लूज 1480-1500, कपास्या तेल इंदौर 855 रुपये।

प्लांटों के सोयाबीन खरीदी भाव - सालासर हरदा 4645, वर्धमान अंबिका जावरा 4625, दिव्य ज्योति 4575, एमएस पचोर 4585, पीथमपुर 4600, प्रेस्टीज देवास 4590, लिविंग फूडस शुजालपुर 4650, नीमच प्रोटीन 4650, धीरेंद्र सोया 4655, एमएस साल्वेक्स 4665, धानुका नीमच 4660, आइडिया 4600, सिहंल रतलाम 4665, केपी साल्वेंट निवाड़ी 4575, सालासर 4645, लक्ष्मी 4600, अंबिका कालापीपल 4575, सांवरिया 4500, अवी एग्रो 4500, बैतूल 4500, रुचि 4475 रुपये प्रति क्विंटल।

टीम इंडिया की बल्लेबाजी देख स्टुअर्ट ब्रॉड को आई चेतेश्वर पुजारा की याद, बोले- क्या उनका करियर खत्म हो गया है?

नई दिल्ली। रांची में जारी इंडिया वर्सेस इंग्लैंड चौथे टेस्ट में भारतीय बैटिंग ऑर्डर में अनुभव की कमी साफ देखने को मिल रही है। विराट कोहली और केएल राहुल की गैरमौजूदगी में रजत पाटीदार और सरफराज खान जैसे युवा खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ मिडिल ऑर्डर का भार संभाल रहे हैं। राजकोट में तो इन युवा खिलाड़ियों ने अच्छा परफॉर्म किया, मगर रांची में वह इस भार को संभाल नहीं पाए। ऐसे में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की याद आई है, जो इस समय भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। ब्रॉड का कहना है कि क्या विराट कोहली की गैरमौजूदगी में भारत पुजारा का चयन नहीं कर सकता था या फिर इस खिलाड़ी का इंटरनेशनल करियर खत्म हो गया है? बता दें, भारत के लिए 100 से अधिक टेस्ट खेल चुके चेतेश्वर पुजार ने टीम इंडिया के लिए आखिरी मुकाबला पिछले साल जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। काउंटी क्रिकेट में धमाकेदार प्रदर्शन करने के बाद उन्हें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह मिली थी, मगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वह दोनों पारियों में मिलाकर 50 रन नहीं बना पाए थे। स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने अधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा 'कोहली के अनुभव और विश्व स्तरीय प्रतिभा की कमी के साथ, क्या पुजारा को भारत की बल्लेबाजी क्रम में वापस लाने का प्रलोभन होगा? या फिर उनका अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म हो गया है? ऐसा लगता है जैसे वह कुछ स्थिरता और एक एंकर ला सकता था।' चेतेश्वर पुजारा इस समय रणजी ट्रॉफी में पसीना बहा रहे हैं। मौजूदा सीजन में उन्होंने खेले 7 मुकाबलों में 78.10 की शानदार औसत के साथ 781 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 3 बार 100 रन का आंकड़ा भी पार किया जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल है। पुजारा का रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में हाईएस्ट स्कोर नाबाद 243 रनों का रहा है। हालांकि इतने शानदार परफॉर्मेंस के बाद भी उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ स्क्वॉड में जगह नहीं मिली है। ऐसे माना जा रहा है कि उनका टीम इंडिया के साथ सफर अब खत्म हो गया है।

4जी खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने जीते तीन पदक

भोपाल। असम, अरूणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, नागालैण्ड एवं त्रिपुरा में 17 फरवरी से 29 फरवरी 2024 तक 4जी खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 का आयोजन किया जा रहा है। खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स में शनिवार को मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने तीन पदक अर्जित किये हैं। यह पदक आर्चरी और कुश्ती खिलाड़ियों ने जीते।

विस्तृत परिणाम

आर्चरी: मप्र के आर्चरी खेल के खिलाड़ी अमित कुमार और कृतिका बिछपुरिया ने 70 मी रिकर्व मिक्स इवेन्ट में तीरंदाजी खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर एक स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में दोनों ही खिलाड़ी रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। द्वितीय स्थान पर कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय और तृतीय स्थान पर एमएसजी विश्वविद्यालय की टीम रही। कुश्ती के परिणामः मध्यप्रदेश राज्य खेल अकादमी के कुश्ती खिलाड़ी हरिओम पुरी ने 63 किग्रा ग्रीको रोमन इवेन्ट में खेल प्रदर्शन का अच्छा प्रदर्शन कर एक रजत पदक अर्जित किया। प्रतियोगिता में हरिओम पुरी रवीन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इसके अलावा एलएनआईपीई, ग्वालियर के खिलाड़ी प्रदीप मान ने भी कुश्ती में कांस्य पदक प्राप्त किया।

महिला और पुरुष हॉकी टीम प्रतियोगिता के फायनल में शनिवार को महिला वर्ग में हॉकी का सेमीफायनल मुकाबला आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर मप्र और पंजाबी विश्वविद्यालय के मध्य खेला गया। सेमीफायनल के इस रोमांचक मुकाबले में की महिला हॉकी टीम के रोमंचक मुकबले में आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर की टीम ने पंजाबी विश्वविद्यालय की टीम को 2-0 की करारी शिकस्त देकर प्रतियोगिता के फायनल में प्रवेश कर पदक प्राप्त करने की उम्मीद कायम की। इस मुकाबले में गुरमेल और अंचल साहू ने 1-1 गोल किया। वहीं, शनिवार को आयोजित पुरूष वर्ग में हॉकी का सेमीफायन रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन मप्र और चंडीगढ विश्वविद्यालय पंजाब के मध्य खेला गया। फायनल में प्रवेश के लिए चले इस कश्मकश और रोमंचक मैच में रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन की टीम ने चंडीगढ विश्वविद्यालय पंजाब को ट्राइब्रेकर में 3-2 गोल के अन्तर से हराकर फायनल मुकाबले में प्रवेश किया। प्रतियोगिता में अमिद खान, अंकित पाल और सुंदरम सिंह रजावत ने 1-1 गोल किये। यूनिवर्सिटी गेम्स में पुरूष टीम पहली बार और महिला टीम ने लगातार चौथी बार फायनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया।

बड़वानी में समाधान आपके द्वार योजना की पहल

योजना के माध्यम से हुए हजारो प्रकरणों का निराकरण

अशोक राठौर। सिटी चीफ

बड़वानी, न्यायालयों से छोटे मुकदमों को कम करने के उद्देश्य से न्यायपालिका और शासन-प्रशासन की ओर से प्रयास शुरू हो गए हैं। इसी कड़ी में प्रशासन और विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से समाधान आपके द्वार के रूप में लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस आयोजन में केवल न्यायपालिका से ही जुड़े लोग नहीं अपितु प्रशासन से जुड़े अधिकारी भी शामिल हुए। खास बात यह रही कि इस आयोजन से चिन्हित ज्यूडीशियल मामलों का ही नहीं अपितु राजस्व न्यायालय, इन विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, से संबंधित प्रकरणों का भी निराकरण किया गया। योजना के अंतर्गत लगभग 46 लंबित एवं लगभग 24777 पोलिटिगेशन प्रकरणी का निराकरण किया गया तथा कुल राशि रू. लगभग 1010364 वसूल की गई।

समाधान आपके द्वार अभियान के माध्यम से राजस्व न्यायालय

के प्रकरणों और दांडिक प्रकरणों के निराकरण की रूपरेखा तैयार की गई। इसमें न्यायाधीशों के साथ ही कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की भी सहभागिता तय हुई। इसी के तहत शनिवार को सम्पूर्ण बड़वानी जिले में प्रकरणी क निराकरण कराये जाने हेतु बाबद कुल 55 कलस्टर का गठन किया गया था। इस दौरान सामने आए प्रकरणों पर विचार किया गया और पक्षकारों व आवेदकों के साथ सामंजस्य स्थापित कर लगभग 36 लंबित एवं लगभग 24777 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण सभी के समन्वय से हुआ। तथा कुल राशि रु. लगभग 1010364 वसूल की गई।

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बड़वानी श्री आनंद कुमार तिवारी, जिला कलेक्टर श्री राहुल हरिदास फटिंग, पुलिस अधीक्षक श्री पुनील गेहलोद तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में संचित/जिला न्यायधीश श्री मानवेन्द्र पवार के मार्गदर्शन में जिले के बड़वानी, संधवा, अंजड, राजपुर, खेतियाँ, में खण्डपीठ गठित कर राजीनामा योग्य प्रीलिटिगेशन एवं पेंडिंग प्रकरणों का आपसी समझौते के आधार पर निराकरण किया गया। यह योजना जिले में प्रथम बार अमल में लाई गई। जिसे जिला न्यायालय, जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस के समन्वयक से लागू किया गया। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीणों को जिला मुख्यालय तक आए बिना उनके निवास स्थान के नजदीकी तहसील कार्यालय में लंबित प्रकरणों का समाधान करना रहा। खास बात यह रही की यह योजना जिले में प्रथम बार अमल में लाई गई। इसके बावजूद योजना के तहत ग्रामीणजनों ने अपने प्रकरणों का समाधान प्राप्त किया।

पन्ना में क्रूरतापूर्ण मारपीट के मामले पर जांच करने पहुंची एडिशनल एसपी

पवई विधायक ने भी पीड़ित परिवार से मुलाकात कर दी सान्त्वना

अशोक राठौर। सिटी चीफ

पन्ना, पन्ना जिले के पवई थाना अंतर्गत बीती दरमियानी रात्रि को चौरसिया परिवार के साथ पुलिस द्वारा की गई कथित क्रूरतापूर्ण मारपीट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है, जिसके बाद अब थाना स्टाफ पर कार्रवाई का फंदा लटक रहा है, बीते शुक्रवार को पीड़ित परिवार ने कलेक्टर व SP के नाम आवेदन सौंपा था, जिसके बाद आज मामले की जांच करने एडिशनल एसपी श्रीमति आरती सिंह -- चौरसिया परिवार के घर पहुंची और परिजनों से मिलकर जांच शुरू कर दी है, वही पवई

विधायक प्रहलाद लोधी एवं भाजपा जिलाअध्यक्ष राम विहारी चौरसिया ने भी पीड़ित चोरसिया परिवार से मुलाकात कर व सान्त्वना देते हुए दोषियों पर कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

बड़वानी के अंजड़ में मनाई गयी सन्त रविदास महाराज की जयंती

रवि शिमले। सिटी चीफ

अंजड, सन्त रविदास महाराज की जयंती पर राज्य सभा सांसद डॉक्टर सुमेर सिंह सोलंकी ने नगर के श्रीकृष्ण चौक स्थित प्रेम लाल सगोरे एवं अनिल देवजी सगोरे के निवास पर शाम 6 बजे अचानक पहुचकर उनका साफा पहनाकर एवं फूल माला से सम्मान किया तथा प्रेम लाल के पांव पखार आशीर्वाद लिया।

प्रेम लाल सगोरे एवं अनिल देवजी सगोरे चमड़े की चप्पल एवं जूते बनाने का काम विगत 40 वर्षों से कर रहे है।

सांसद सुमेर सिंह सोलंकी ने प्रेम लाल की दुकान पर पहुचकर जूते एवं चप्पल बनाने के कार्य को जाना एवं समझा तथा 40 वर्षों से किये जा रहे काम की चर्चा करि।

सांसद श्री सोलंकी ने प्रेम लाल की दुकान से खुद के द्वारा बनाई गई चप्पल खरीदी और उन्हें खुद अपने हाथों से पांव में पहनाकर उन्हें भेंट की तथा सांसद महोदय ने अपनी धर्मपत्नी के लिए भी एक जोड़ी चप्पल की खरीदी करि एवं प्रेमलाल सगोरे, उनकी धर्म पत्नी एवं परिवार को मिठाई खिलाकर रविदास जयंती की

शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर सासंद श्री सोलंकी ने कहा कि आज इस देश के महान सन्त श्री रविदास महाराज की जयंती है जिस सन्त ने जात-पात से ऊपर उठकर कर्म को महान बताया है उसी कर्म का संदेश जन-जन तक पहुचाने का काम किया है। हमारे देश के सभी भाई बहनों को एक ही बात कहना चाहता हूं की व्यक्ति जात-पात से महान नही होता बल्कि अपने कर्म से महान होता है यही संदेश हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की और से में भी घर-घर तक पहुचाना चाहता हूं।

भारत मे जूते, चप्पल बनाने काम यदि किसी ने किया है तो मोची समाज ने किया है मोची समाज की इस बेहतरीन कारीगरी की बदौलत देश के करोड़ो भाई बहनों के पांव में छाले पड़ने और कांटे चुभने से बचाया है तथा मोची समाज ने सभी समाज व धर्मावलंबियों को सुरक्षा प्रदान करने का नेक कार्य किया है और आज भी कर रहे है।

इस अवसर सांसद श्री सोलंकी ने नगर में मोची समाज के ऐसे लोग जो आज भी अपने हाथों से जूते चपल व रिपेरिंग का काम करने का व्यवसाय कर रहे है ऐसे दुकानदारों को सांसद स्वेच्छानुदान निधि से प्रत्येक दुकानदार को 5-5 हजार रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा करि है।

बड़वानी के राजपूर में हुआ विजेता क्रिकेट क्लब राजपूर के तत्वाधान में लेदर बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

विजेताओं को बाटे जायेंगे पुरस्कार

अशोक राठौर । सिटी चीफ

राजपुर विजेता क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में आज दिनांक को राजपुर के खेल मैदान पर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन की शुरुआत की गई है जिसमें भारतीय जनता पार्टी के श्री हुकम जी गुत्ता द्वारा प्रथम पुरस्कार 51000 एवं कांग्रेस के श्री राहुल ठक्कर जी द्वारा?25000 एवं श्री वकील साहब धीरज जी ठाकुर द्वारा 11 000 हजार नगद पुरस्कार देने की घोषणा की गई एवं प्रतियोगिता में बेस्ट बॉलर बेस्ट बैट्समैन टूर्नामेंट के हर मैच में मैन ऑफ द मैच एवं मैन ऑफ द सीरीज भी क्रिकेट खिलाड़ियों को दी जाएगी हमारे राजपूर शहर में विगत कई दिनों से इस प्रकार के टूर्नामेंट का आयोजन नहीं किया गया करीबन 20 वर्ष के पश्चात युवा क्रिकेट टीम ऋषभ ठाकुर के तत्वाधान में विजेता क्रिकेट क्लब के क्रिकेट खिलाड़ी अभिषेक राठौड़ लकी राठौड़ कपिल यादव गंवाने सर वसीम सैयद बादल चौहान आकाश करील अनुराग कानपुरे बट्टू खान भयू कुरैशी समीर मंसूरी क्रिकेट खिलाड़ियों के तत्वाधान में उत्कृष्ट विद्यालय बड़वानी रोड में प्रीमियम लिंग का आयोजन किया जा रहा है आयोजन में राजपूर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों से

आए हुए युवा क्रिकेटरों की टीमे भाग लेकर अपने क्षेत्र अपने गांव के नाम से इस टूर्नामेंट में उतरेगी इन ग्रामीण टीमों को सपोर्ट करने के लिए राजपुर के युवा नेताओं और व्यापारी द्वारा उन्हें अपना नाम और अपना पैसा इन्वेस्टमेंट कर उन खिलाड़ियों के भविष्य को सुधारने में कोई और कसर बाकी नहीं रहना देंगे उक्त आयोजन को भव्य और विशाल बनाया जा रहा है टूर्नामेंट में उपस्थित हुए मुख्य अतिथि पवन जी अग्रवाल बरू फाटक हुकुम जी गुत्ता भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष कृष्ण जी धनगर पूर्व मंडल अध्यक्ष जीतू यादव नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय जी अग्रवाल उपाध्यक्ष आकाश जी बर्मन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सचिन जोशी नानेस जी चौधरी ठेकेदार अजय जी ठक्कर तमाम मुख्य अतिथियों द्वारा क्रिकेट खिलाड़ियों को उन्हेंने अवगत कराया गया की हेड या टेल सिक्के के दो पहलू होते हैं मगर सिक्का एक ही होता है हार और जीत लगी रहती है हमें अपने संबंधों को हेड टेल के माफिक जीवन में उतरना चाहिए और हम सब को खेल भावना को दिखाते हुए इस खेल को खेलना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए हमारे नगर राजपुर में इस प्रकार के टूर्नामेंट किये जा रहे है जिससे युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी और क्रिकेट को अपने जीवन में उतर कर अपने देश और विदेश में अपने गांव और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे हमारे ग्रामीण इलाके के जांबाज खिलाड़ियों द्वारा इस खेल को पति दीवानगी देखी जा रही है और इस तरह दीवानगी इस कदर है कि युवा अपने भविष्य में इस खेल को अपना कर अपने जीवन को बदल कर रख देंगे क्रिकेट के व्यवसायिक नाम शोहरत और प्रसिद्धि वाला गेम होते जा रहा है हर युवा अपने इस खेल के माध्यम से अपने करियर का निर्धारण कर अपने भविष्य को सफल बनाकर अपना मानव जीवन धन्य कर सकता है.

भारतीय पत्रकार संघ AIJ की जिला बैठक संपन्न

विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

पियूष अग्रवाल। सिटी चीफ

खरगोन, भारतीय पत्रकार संघ AIJ की जिला बैठक पुराने कलेक्टर के गार्डन में संपन्न हुई। जिसमे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं का सम्मान। कोरोना काल में दिवंगत पत्रकारों के परिवार की आर्थिक सहायता एवं उनका सम्मान। ऐसे पत्रकार जिनके आयुष्मान कार्ड नहीं बने है उनको उसकी पात्रता दिलाकर शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना।

हर 5 जुलाई को वृक्षारोपण कर जिले को ग्रीन हब बनाना।

साथ ही साथ जिले में उत्कृष्ट पत्रकार सम्मान समारोह के आयोजन

को लेकर चर्चा हुई। जिसमे के जिलाध्यक्ष रणजीतसिंह ठाकुर, जिला संरक्षक ओम रामनेकर, शशिकांत शर्मा, संयोजक उमेश रेवलिया, रामेश्वर बडोले, संजय पाराशर, जिला उपाध्यक्ष पियूष अग्रवाल अबरार पठान, सेवाकराम चौबे, सुरेश महाजन, दीपक पाण्डेय, रवि परमार, राजू सोनी, देवीसिंह धानसे, अमित भालसे, प्रदीप महाजन सहित जिले के युवा एवं वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित हुए।

नेत्र परीक्षण व मोतियाबिंद निदान शिविर 25 फरवरी को हो रहा आयोजित

रोटरी क्लब न्यू के तत्वावधान में स्व रखबचन्द भण्डारी की स्मृति में सुमन हॉस्पिटल में शिविर हो रहा आयोजित

सुरेश मुलेवा। सिटी चीफ

पेटलावद, नगर की सुप्रसिद्ध समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब न्यू सदैव असहाय जन को सहयोग, सेवा चिकित्सा के साथ ही समाज हितेषी कार्य करने वाली संस्था के रूप में पूरे क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुकी है। नेत्र परीक्षण व मोतियाबिंद निदान शिविर हो रहा आयोजित पीड़ित मानवता की सेवा में अग्रणी रोटरी क्लब न्यू पुन: इसी क्रम में हमेशा की तरह इस बार नेत्र परिक्षण व मोतियाबिंद निदान शिविर का बिल्कुल निशुल्क शिविर का आयोजन करने जा रहा है। स्व भण्डारी की स्मृति , जावरा चिकित्सालय के सहयोग से होगा आयोजन क्त शिविर रोटरी क्लब न्यू पेटलावद के तत्वावधान में समाज रत्न स्व श्री रखबचन्द पृथ्वीराज जी भण्डारी की पुण्य स्मृति में RPB फाउंडेशन ओर लायन्स नेत्र चिकित्सालय जावरा के सहयोग से आयोजन करने जा रहा है। सुमन हॉस्पिटल में होगा आयोजित शिविर उक्त शिविर 25 फरवरी रविवार को, सुमन हॉस्पिटल गायत्री मन्दिर के सामने रायपुरिया रॉड पर सुबह 10 ⊐30 से 02 बजे तक आयोजित किया जाएगा अधिक से अधिक लेवे लाभ, वोटर आईडी या राशन कार्ड लावे साथ क्लब के सदस्यों ने आमजन से

अपील की है कि अधिक से अधिक पीड़ित जन इस बिल्कुल निशुल्क शिविर का लाभ ले। रजिस्ट्रेशन के लिये क्लब ने अपने कांटेक्ट नम्बर भी जारी किए है। वही शिविर में इंट्री के लिये रोगी को सिर्फ अपने साथ वोटर आई डी या राशन कार्ड ही लेकर जाना है।

झाबुआ के कंट्रोल रूम में ली गई क्राइम मीटिंग

नवागत पुलिस अधीक्षक झाबुआ श्री पद्म विलोचन शुक्ला द्वारा ली गई मीटिंग

सुरेश मुलेवा7 सिटी चीफ

झाबुआ, पुलिस अधीक्षक ने लंबित अपराधों एवं शिकायत की समीक्षा करते हुए त्वरित निराकरण करने व पेंडेंसी कम करने के उद्देश्य से सभी स्छह्क्कएवं थाना व चौकी प्रभारियों से सभी अनसुलझे व लंबित मामलों पर चर्चा कर निकाल हेतु महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये।

मीटिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा महिला संबंधी अपराधों में पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी किए गए निर्देशों तथा महिला संबंधी रिपोर्ट एवं शिकायत पत्रों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के कड़े निर्देश दिये।

साथ ही गुम नाबालिकों की पतासाजी व दस्तयाब कर प्राप्त साक्ष्य के आधार पर वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देशित किया गया है। साथ ही सभी थाना/चौकी प्रभारियों को अपने-अपने थाना/चौकी क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु रात्रि गस्त एवं पेट्रोलिंग को बढ़ाने एवं और अधिक सतर्कता से करने के निर्देश दिए गए। थाना क्षेत्र के बदमाशों पर सतत निगाह रखते हुए उनकी सक्रियता पाए जाने पर

विधिवत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने एवं असामाजिक गतिविधियों जैसे मादक पदार्थों की बिक्री एवं सेवन, अवैध आर्म्स, जुआ-सट्टा में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध अभियान चलाकर वैधानिक कार्यवाही कर उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के सख्त निर्देश दिये। आगामी लोकसभा चुनाव के संबंध में झाबुआ पुलिस की तैयारीयों की समीक्षा की जाकर आवश्यक निर्देश दिए गए। आगामी आने वाले त्योहार होली आदिवासी त्योहार भगोरिया गल पर्व की तैयारी को लेकर भी चर्चा की गई एवं आवश्यक निर्देश दिए गए **मीटिंग मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रेमलाल कुर्वे**

Sdop झाबुआ रुपरेखा यादव
Sdop थांदला श्री रविंद्र राठी
Sdop पेटलावद श्री सौरभ तोमर
समस्त थाना चौकी प्रभारी
पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्टॉफ
रक्षित निरीक्षक अखिलेश राय उपस्थित रहे

बांग्लादेश में खतना दौरान एक और बच्चे की मौत, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- होगी कड़ी कार्रवाई

ढाका: बांग्लादेश में खतना करते समय एक और बच्चे की मौत का समाचार है। देश में दशकों से नाई इस काम को बिना एनेस्थीसिया के अंजाम दे रहे थे लेकिन हाल के दिनों में डॉक्टरों द्वारा सर्जिकल खतना का चलन बढ़ गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार रात राजधानी ढाका में अहनाफ तहमीन अयहम (10) नामक बच्चे को खतना के लिए अस्पताल लाया गया खतना से पहले उसे एनेस्थीसिया का इंजेक्शन दिया जा रहा था कि इसी दौरान उसने दम तोड़ दिया। बच्चे का परिवार आरोप है कि उन्होंने एनेस्थीसिया की अनुमति नहीं दी थी। मृतक बच्चे अहनाफ के पिता फखरुल आलम ने बताया कि वे अहनाफ को खतना के लिए मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे ढाका के माली बाग चौधरी पारा स्थित जेएस डायग्नोस्टिक एंड मेडिकल चेक अप सेंटर में ले गए। कुछ देर में ही उसका खतना पूरा हो गया, लेकिन एक घंटे बाद भी जब उसे होश नहीं आया तो चिंता बढ़नी शुरू हुई। आलम के मुताबिक बच्चे को होश नहीं आने पर कई बार अस्पताल स्टाफ से पूछा गया लेकिन वे यहीं कहते रहे कि जल्द ही होश आ जाएगा। मृतक बच्चे के पिता का आरोप है कि उनकी बिना अनुमति के एनेस्थीसिया लगाया गया है। पिता ने इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है।ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों के खिलाफ हातिरझील थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बच्चे की मौत के बाद, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सामंत लाल सेन ने कहा कि भविष्य में चिकित्सा पेशेवरों में ऐसी लापरवाही की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं इस घटना से बहुत दुखी हूं। हमने कुछ दिन पहले इसी तरह की एक घटना देखी थी। यह जानकर निराशा हुई कि हमारे प्रयासों के बावजूद, कुछ लोग उचित सावधानी बरतने में विफल रहे। ऐसी लापरवाही या जिम्मेदारी के प्रति उपेक्षा किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।इस मामले पर डॉ. शाह आलम का कहना है कि बिना उचित जांच के गलत तरह से एनेस्थीसिया देने पर बच्चों के जान जाने का खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि एक बच्चे के सुचारू और सुरक्षित खतना के लिए एनेस्थीसिया की आवश्यकता होती है, लेकिन इस दौरान ध्यान देने वाली बात यह है कि बच्चे की स्थिति के मुताबिक किस प्रकार की एनेस्थीसिया दी जाए। गौरतलब है कि बांग्लादेश में खतना दौरान बच्चों की मौत की यह पहली घटना नहीं है। करीब डेढ़ महीने पहले भी एक बच्चे की मौत हो गई थी । इस घटना में भी अयान अहमद नाम के बच्चे को खतना से पहले एनेस्थीसिया का इंजेक्शन दिया गया था जिसके बाद परिवार वालों ने इसकी शिकायत भी दर्ज कराई थी। बांग्लादेश में इससे पहले नाई ही इस काम को बिना एनेस्थीसिया के अंजाम दे रहे थे और बच्चों के मौत की खबर बेहद कम आती थी । लेकिन डॉक्टरों द्वारा सर्जिकल खतना के चलन दौरान कई बच्चों की मौत के मामले समाने आ चुके हैं।

गुजरातः पीएम मोदी ने केबल पुल सुदर्शन सेतु का किया उद्घाटन

भगवान श्री कृष्ण मंदिर में की पूजा-अर्चना

नेशनल डेस्क- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अरब सागर में बेयट द्वारका द्वीप को मुख्य भूमि ओखा से जोड़ने वाले देश के सबसे लंबे केबल-आधारित पुल 'सुदर्शन सेतु का गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले में रविवार को उद्घाटन किया। मोदी ने अपने दिन की शुरुआत बेयट द्वारका में भगवान श्री कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना करके की। इसके बाद उन्होंने सुदर्शन सेतु नामक चार लेन के केबल पुल का उद्घाटन किया। अद्वितीय डिजाइन से बने इस सेतु के दोनों ओर श्रीमद्भगवद गीता के श्लोकों और भगवान कृष्ण की छवियों से सुसज्जित एक पैदलपथ है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, 2.32 किलोमीटर लंबे इस पुल का निर्माण 979 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है, जिसके बीच में 900 मीटर लंबा केबल आधारित हिस्सा है और पुल तक पहुंचने के लिए 2.45 किलोमीटर लंबा सड़क मार्ग है। इसमें कहा गया है कि चार लेन वाले 27.20 मीटर चौड़े पुल के दोनों तरफ 2.50 मीटर चौड़े पैदलपथ हैं। इस पुल को पहले 'सिग्नेचर ब्रिज के नाम से जाना जाता था और अब उसका नाम बदलकर 'सुदर्शन सेतु कर दिया गया है। बेयट द्वारका ओखा बंदरगाह के पास एक द्वीप है, जो द्वारका शहर से लगभग 30 किलोमीटर दूर है जहां भगवान श्रीकृष्ण का प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर है। अधिकारियों ने बताया कि सेतु के निर्माण से पूर्व तीर्थयात्रियों को बेयट द्वारका तक पहुंचने के लिए नौका परिवहन पर निर्भर रहना पड़ता था और इस पुल के निर्माण से वे कभी भी यात्रा कर सकेंगे।

चीन के नानजिंग में इलेक्ट्रिक बाइक कारण 15 लोगों की गई जान, 44 घायल

इंटरनेशनल डेस्क: पूर्वी चीन के नानजिंग में इलेक्ट्रिक बाइक की वजह से 15 लोगों की जान चली गई और 44 अन्य लोग घायल हो गए। शनिवार को चीन के अधिकारियों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इलेक्ट्रिक बाइक कारण एक आवासीय इमारत में आग लगने से ये हादसा हुआ। नानजिंग के युहुताई जिले में स्थित इमारत में आग शुक्रवार सुबह लगी । शुरुआती जांच में पता चला है कि आग इमारत की पहली मंजिल पर लगी थी, जहां इलेक्ट्रिक बाइक रखी गई थी। चीनी सोशल मीडिया पर प्रसारित फुटेज में देखा जा सकता है कि आधी रात में एक गगनचुंबी इमारत में आग लगी हुई है, जिसमें से काला धुआं निकल रहा है। इस दौरान मौके पर खड़े आपातकालीन वाहनों की चमकती रौशनी भी देखी जा सकती है। इमारत के कई हिस्सों से सफेद धुआं निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। अधिकारियों ने बताया कि 44 घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इनमें से एक की हालत नाजुक है जबकि एक अन्य गंभीर घायल है। वहीं एक मीडिया सम्मेलन में शहर के मेयर चेन झिचांग ने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और माफी मांगी।

अमेरिका और ब्रिटेन ने हूती विद्रोहियों को बनाया निशाना

यमन में 18 ठिकानों पर किए हमले

इंटरनेशनल डेस्क- अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में हूती विद्रोहियों के 18 ठिकानों पर शनिवार को हमले किए। ईरान समर्थित स्थानीय लड़ाकों के लाल सागर और अदन की खाड़ी में पोतों पर हाल में बढ़ते हमलों के जवाब में ये हमले किए गए हैं। हूती विद्रोहियों ने पिछले सप्ताह एक मिसाइल हमला किया था जिसके कारण एक मालवाहक पोत में आग लग गई थी।

आठ स्थानों पर हमले किए

अमेरिकी अधिकारियों ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि अमेरिका और ब्रिटेन के लड़ाकू विमानों ने मिसाइल, लॉन्चर, रॉकेट, ड्रोन और हवाई रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाते हुए आठ स्थानों पर हमले किए।

यह चौथी बार है जब अमेरिका और ब्रिटेन की सेनाओं ने 12 जनवरी के बाद से हूती विद्रोहियों के खिलाफ एक संयुक्त अभियान चलाया है। अमेरिका इसके अलावा भी हूती विद्रोहियों पर लगभग रोजाना हमले कर रहा हैं। अधिकारियों ने बताया कि 'यूएस एफ/ए-18 लड़ाकू विमानों को यूएसएस ड्वाइट डी. आइजनहॉवर विमानवाहक पोत से प्रक्षेपित किया गया। यह पोत इस समय लाल सागर में है।

हमले बंद नहीं किए तो, परिणाम भुगतने होंगे

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा, ''अमेरिका दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों में शामिल लाल सागर में जीवन और वाणिज्य के मुक्त प्रवाह की रक्षा के लिए आवश्यकतानुसार कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगा। हम हूती विद्रोहियों को यह स्पष्ट करते रहेंगे कि यदि उन्होंने अपने अनुचित हमले बंद नहीं किए तो उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे।

हूती विद्रोहियों ने की निंदा

हूती विद्रोहियों ने ''अमेरिका और ब्रिटेन की आक्रामकता की निंदा की और इसके जवाब में सैन्य अभियान चलाते रहने का संकल्प लिया। अमेरिका, ब्रिटेन और उनके अन्य सहयोगियों ने एक बयान में कहा, ''यमन में आठ स्थानों पर विशेष रूप से हूती विद्रोहियों के 18 ठिकानों को लक्ष्य बनाया गया।

जनविश्वास यात्रा के दौरान राजगीर में बोले तेजस्वी बिहारवासियों के सहयोग से नया बिहार बनाएंगे

राजगीर: बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि उनके पास बिहार के विकास का विजन है और बिहारवासियों के सहयोग से नया बिहार बनेगा। तेजस्वी यादव ने शनिवार को नालंदा जिले के एकंगरसराय में जनविश्वास यात्रा के दौरान कहा कि उनके पास बिहार के विकास का विजन है और बिहार के लोगों के सहयोग से नया बिहार बनाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला और कहा कि मुख्यमंत्री भाजपा के लोगों से हाईजैक हो गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास ना विचारधारा, ना सिद्धांत और ना ही नैतिकता बची है। वहीं राजद नेता कहा, ''मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहते थे कि 10 लाख को नौकरी देना संभव है। हमने बिहार में 17 महीने उप मुख्यमंत्री रहते हुए 5 लाख लोगों को नियुक्ति पत्र दिया। नियोजित शिक्षकों को राज्यकमी का दर्जा दिया वहीं, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आगे बढ़ाने का भी काम किया। उन्होंने लोगों से आगामी 3 मार्च को पटना के गांधी मैदान में आयोजित होने वाली रैली में भाग लेने की अपील की।

रेजीडेंसी अपार्टमेंट में भीषण आग लगने से जिंदा जला भारतीय शख्स, परिवार ने की पार्थिव शरीर की मांग

इंटरनेशनल डेस्क- अमेरिका के मैनहेटन में एक आवासीय इमारत में आग लगने से यहां पत्रकार के तौर पर काम करने वाले 27 वर्षीय भारतीय नागरिक की मौत हो गई। मैनहेटन के हार्लेम में 2, सेंट निकोलस पैलेस पर छह मंजिला रिहाइशी इमारत में लगी आग में फाजिल खान की मौत हो गई जबकि 17 अन्य लोग घायल हो गए। न्यूयॉर्क नगर अग्निशमन विभाग ने कहा कि विनाशकारी आग लिथियम-आयन बैटरी के कारण लगी। खान न्यूयॉर्क में स्थित शिक्षा में नवाचार और असमानता पर केंद्रित मीडिया कंपनी 'द हेचिंगर रिपोर्ट के पत्रकार थे। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने खान की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया और कहा कि वह उनके शव को भारत में उनके परिवार को वापस भेजने के लिए हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। महावाणिज्य दूतावास ने शनिवार को एक पोस्ट में कहा, न्यूयॉर्क के हार्लेम में आग की घटना में 27 वर्षीय भारतीय नागरिक फाजिल खान की मौत के बारे में जानकर दुख हुआ। महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह खान के परिवार और दोस्तों के संपर्क में है। महावाणिज्य दूतावास ने कहा, हम उनके पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने में हर संभव सहायता करेंगे।

पाक में नई सरकार के गठन से पहले ईरान गैस पाइपलाइन निर्माण को मंजूरी

इस्लामाबादः पाकिस्तान में नई सरकार के गठन से पहले अंतरिम प्रधानमंत्री अनवार-उल-हक काकड़ ने ईरान के साथ गैस पाइपलाइन के निर्माण कार्य को मंजूरी दे दी है। काकड़ के इस फैसले से नकदी की संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की बढ़ती ऊर्जा जरूरतो को पूरा करने में मदद मिलेगी। कैबिनेट कमेटी ऑन एनर्जी द्वारा फरवरी के बाद नई सरकार के गठन से पहले ही इस समझौते को मंजूरी दे दी गई है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार पाकिस्तान की अंतरिम सरकार ने ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। अंतरराष्ट्रीय अदालतों में मुकदमेबाजी से बचने के उद्देश्य से ईरान ने सितंबर 2024 तक 180 दिन का विस्तार दिया है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि यदि पाइपलाइन परियोजना से संबंधित अपने अधिकारों की रक्षा के लिए ईरान द्वारा कानूनी कार्रवाई की जाती है तो पाकिस्तान और ईरान के बीच राजनयिक संबंध तनावपूर्ण हो सकते हैं। इस परियोजना की शुरुआत में भारत-पाकिस्तान-ईरान गैस पाइपलाइन के रूप में कल्पना की गई थी, लेकिन बाद में भारत ने इसे छोड़ दिया और पाकिस्तान और ईरान के बीच एक द्विपक्षीय परियोजना बन गई। अमेरिका द्वारा ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण अब तक पाकिस्तान पाइपलाइन का निर्माण नहीं कर पा रहा था। समिति ने पेट्रोलियम डिवीजन की एक सिफारिश पर काम करते हुए पहले चरण में पाकिस्तान-ईरान सीमा से शुरू होकर बलूचिस्तान प्रांत के बंदरगाह शहर ग्वादर तक परियोजना की शुरुआत का समर्थन किया है। बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान के लोगों को गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए सकारात्मक मंजूरी दी, जिससे देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सके। दरअसल, पाकिस्तान की इंटरस्टेट गैस सिस्टम्स (प्राइवेट) लिमिटेड इस परियोजना को लागू करने के लिए तैयार है, जिसे गैस इंफ्रास्ट्रक्चर डिवैलपमेंट सेस के जरिए वित्त पोषित किया जाएगा। बयान में पाकिस्तान की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और बेहतर गैस आपूर्ति के माध्यम से स्थानीय उद्योग में विश्वास पैदा करने के लिए परियोजना के महत्व पर जोर दिया गया। इस परियोजना से बलूचिस्तान प्रांत में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने का अनुमान है, जिससे पाकिस्तान की समग्र आर्थिक प्रगति में योगदान मिलेगा। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि परियोजना को समय पर पूरा करने में विफल रहने पर 18 अरब अमेरिकी डॉलर के संभावित जुर्माने के डर से पाकिस्तान को कई वर्षों की देरी के बाद काम शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

रोजगार होता तो दिन में 12 घंटे मोबाइल नहीं चलाते युवा : राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

नेशनल डेस्कः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि यदि हिंदुस्तान में रोजगार होता तो युवा 12 घंटे मोबाइल न चलाते। राहुल गांधी ने यह बात अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत संभल में एक सभा को संबोधित करते हुए कही। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज मुरादाबाद, अमरोहा होते हुए संभल पहुंची, जिसमें तमाम जगह पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का जोरदार स्वागत किया।

बड़े-बड़े व्यापारियों के बेटे रील नहीं देखते वे 24 घंटे अपना धन गिनते हैंः राहुल गांधी

राहुल गांधी ने संभल में चंदौसी चौराहे पर लोगों को संबोधित करते हुए एक युवक से पूछा, तुम मोबाइल कितने घंटे चलाते हो, उसने कहा 12 घंटे। इस पर राहुल गांधी ने कहा, ''हिंदुस्तान में रोजगार नहीं है तभी तो 12 घंटे मोबाइल चलाते हो। आपको मालूम है बड़े-बड़े व्यापारियों के बेटे रील नहीं देखते वे 24 घंटे अपना धन गिनते हैं। यदि आपको रोजगार मिलेगा तो आप आधे घंटे रील देखोगे और 12 घंटे काम करोगे।

पिछड़े वर्गों, दलितों और एससी/एसटी समुदायों के लोग बड़े पदों पर नहीं हैंः राहुल गांधी

राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के दौरान कई बार दावा किया है कि पिछड़े वर्गों, दलितों और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) समुदायों के लोग बड़े पदों पर नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''यदि हम इस देश में किसी कंपनी के कर्मचारियों की सूची निकालें, मालिकों की सूची निकालें। एक पिछड़ा दलित नहीं मिलेगा। मीडिया घरानों के मालिकों और रिपोर्टर की सूची निकालिए, निजी कॉलेज और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सूची निकालिए। इन पदों पर वही तीन से चार फीसदी लोग (उच्च जाति के) काम करते रहते हैं। मोदी सरकार ने छोटे किसानों, छोटे व्यापारियों को खत्म करने का काम किया: राहुल गांधी उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि छोटे किसानों, छोटे व्यापारियों को खत्म करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''आपको भूखा मारा जा रहा है, आपको खत्म किया जा रहा है। परीक्षा पेपर इसीलिए लीक होते हैं क्योंकि ये लोग हिंदुस्तान के युवाओं को रोजगार नहीं दिलवाना चाहते और न हीं दिलवा सकते हैं। गांधी ने कहा कि उन्होंने पिछले साल कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4000 किलोमीटर भारत जोड़ो यात्रा इसलिए की क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) सभी जगह नफरत फैला रहे हैं।

मेरा काम देश से नफरत मिटाना हैः राहुल गांधी

मीडिया पर निशाना साधाते हुए कांग्रेस नेता गांधी ने कहा कि ''जब भी हम मीडिया में अपनी बात रखते हैं, मीडिया हमारी बात ही नहीं दिखाती। चाहे मजदूरों की मेहनत की बात हो, बेरोजगारी की बात हो, महंगाई की बात हो, यह चीज मीडिया में दिखने वाली नहीं है। नफरत के बाजार में मोहब्बत की एक दुकान खोलनी है, मेरा काम लड़ना और देश से नफरत मिटाना है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि निर्दोष लोगों के घरों को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया जाता है जबकि दोषी बच जाते हैं। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से आगे बढ़ी, जिसमें प्रियंका गांधी वाड्रा भी अपने भाई के साथ शामिल हुईं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569